दैनिक कारखाने का सफर

वर्ष 6, अंक 201 | भोपाल, गुरुवार 1 जनवरी, 2026 | पौष कृष्ण कृष्ण पक्ष, द्वादशी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

वर्ष 2026 भ्रष्ट सिस्टम के लिए नहीं अपने लिए नया सवेरा एक नई किरण के साथ, नया दिन एक प्यारी मुस्कान के साथ शुरू करें

- हर रोज़ सुबह की पहली किरण तमाम झंझटों और परेशानियों के साथ भले ही शुरू होती हो, लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए
- वर्तमान सिस्टम में दोष हो सकता है, लेकिन आप में दोष नहीं जोश होना चाहिए
- हम उस सिस्टम को भी नहीं सुधार सकते, जिसमें सीवेज और पानी की पाइप लाइन एक साथ बिछाई जाती है जिससे भले ही दस या बारह लोग नया साल मनाने से पहले मौत के आगोश में चले जाएं
- भोपाल में एशबाग क्षेत्र में आरओबी भले ही 90 डिग्री का बना हो या बाबड़िया कला का आरओबी टी टाइप का, इससे वाहन चालकों की परेशानी हम दूर नहीं कर सकते तो हम उदास क्यों हों
- भोपाल में करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट शुरू हुए, उनमें कितना भ्रष्टाचार हो रहा है के बारे में न सोचें और आरटीओ में नंबर प्लेट के लिए 780 रुपए के लिए भले ही 1200 रुपए किसी को देना पड़े, हम बिल्कुल न सोचें
- आएं और प्रण लें कि एक नया स्टार्टअप स्वयं खड़ा करें और नौकरी ढूंढने की जगह नौकरी देने वाले बनकर देश की सेवा करें

आनंद सक्सेना
स्वतंत्र पत्रकार भोपाल

वर्ष 2026 में आखिर हम प्रवेश कर गए और अधिकतर लोगों का यही कहना है कि पिछला वर्ष बहुत संघर्ष और परेशानी भरा रहा। उम्मीद है कि नया वर्ष नई उमंग और मुस्कान के साथ शुरू होगा। उम्मीद करते हैं कि इंदौर के समान बीते वर्ष के आखिरी दिनों में गंदे पानी के कारण हुई मौतों का तांडव अब सुनने को न मिले। भोपाल की तरह 90 डिग्री एंगल का या बाबड़िया कलां का टी टाइप का आरओबी अब कभी न बने। यह भी उम्मीद है कि सरकार सिर्फ मेट्रो की तरफ ध्यान न देकर भोपाल में अच्छे फ्लाई ओवर बनवाए, जिससे भारी ट्रैफिक का दवाब कुछ कम हो सके। अभी तक एक ही फ्लाईओवर गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक बना है, वो भी महानगर स्तर का नहीं है। लाखों पेड़ों की बलि लेने के बाद भी भोपाल का स्मार्ट विकास कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। इन सब बातों को भूल जाना चाहिए और अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए स्वयं अपना स्टार्टअप या स्वयं का कोई व्यवसाय शुरू करें। यही नए साल का अपना स्वयं का प्रण होना चाहिए। वर्ष 2026 में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आपको सरकार की तरफ नहीं देखना चाहिए। क्योंकि सरकार के कान नहीं हैं और अफसर आपकी बात सरकार तक नहीं पहुंचने देंगे। आप स्वयं अपना रास्ता वर्ष 2026 में बनाकर पूरा कर लें और इस पर बिल्कुल भी विचार न करें कि हरकदम पर अपना काम कराने के लिए सरकारी बाबूओं और अधिकारियों की जेब गरम करना पड़ रही है। यह तो सिस्टम है और आपको करना पड़ेगा। वैसे पूरे अधिकारी भ्रष्ट नहीं होते, लेकिन अफसोस यह है कि जो ईमानदार हैं, वो काम करना नहीं चाहते हैं। क्योंकि उनको लगता है कि सरकारी नौकरी में ईमानदारी का कोई काम नहीं बचा है।

इसलिए हे मानव, जिसने जो काम दिया वो सेवा समझकर अपना काम शुरू कर दो और फल की इच्छा भगवान के ऊपर छोड़ दो।

2026 आप सभी के जीवन में शांति, सुख समृद्धि लेकर आए', राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "नव वर्ष 2026 की शुभकामनाएं। नव वर्ष के उल्लासपूर्ण अवसर पर, मैं देश और विदेश में बसे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। नव वर्ष नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलावों का प्रतीक है। यह आत्मचिंतन और नए संकल्पों का अवसर भी है। इस नव वर्ष में हम देश के विकास, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करें। वर्ष 2026 आप सभी के जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लेकर आए तथा सशक्त और उज्ज्वल भारत के निर्माण के हमारे संकल्प को नव ऊर्जा प्रदान करे।"

पीएम मोदी ने लोगों को दी शुभकामनाएं: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश और दुनिया भर के लोगों को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि और सामूहिक खुशहाली से भरे वर्ष की आशा व्यक्त की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लोगों को उनके प्रयासों में सफलता और व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में पूर्णता की कामना की, साथ ही समाज में शांति और खुशी के महत्व को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने लिखा, "आप सभी को 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं! यह वर्ष आपके लिए अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, आपके प्रयासों में सफलता और आपके सभी कार्यों में पूर्णता लाए। हमारे समाज में शांति और सुख के लिए प्रार्थना।"

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, "2026 का स्वागत करते हुए, आशा है कि यह वर्ष भारत के सामूहिक संकल्प को और मजबूत करेगा और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को नवप्रवर्तित करेगा। हमारी शाश्वत सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित होकर और नवाचार, आत्मनिर्भरता और एकता की भावना से ओतप्रोत होकर, आइए हम सब मिलकर भारत की सुरक्षा, समृद्धि और वैश्विक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने के लिए काम करें।

`वह आपा खो बैठे, उन्होंने मुझ पर उंगली उठाई'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस (TMC) के नेशनल जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका दावा है कि एक मीटिंग के दौरान चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार 'गुस्से में आ गए' और उन पर 'उंगली उठाई'। यह टकराव वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) और बूथ लेवल अधिकारियों के साथ किए जा रहे बर्ताव को लेकर है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने BJP कार्यकर्ताओं के साथ एक बंद कमरे में हुई मीटिंग में 'कोई कसर न छोड़ने' का आदेश दिया है और राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का वादा किया है। EC के कथित बर्ताव पर बात करते हुए बनर्जी ने कहा, 'आप अपने मालिकों के प्रति जवाबदेह हैं। मैं अपने राज्य के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं।' अभिषेक ने कहा, "उन्हें लगता है कि आवाज उठाकर और आक्रामक तरीके से बात करके वे सभी को चुप करा देंगे। जब हमने बोलना शुरू किया, तो वे अपना आपा खोने लगे। उन्होंने हममें से कुछ को रोकने की कोशिश की और मेरी तरफ उंगली उठाई। तब मैंने कहा कि आप एक नॉमिनेटेड अधिकारी हैं, लेकिन मैं एक चुना हुआ प्रतिनिधि हूं। आप अपने मालिकों के प्रति जवाबदेह हैं, लेकिन मैं उन लोगों के प्रति जवाबदेह हूं जिन्होंने मुझे चुना है, जिनके लिए हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि कोई भी सही वोटर लिस्ट से हटाया न जाए... अगर उनमें हिम्मत है, तो वे फुटेज जारी करें। मैं ECI ऑफिस के बहुत करीब खड़ा हूं।" उन्होंने पूछा, "ज्ञानेश कुमार अभी सुन रहे होंगे कि मैं मीडिया से क्या कह रहा हूं। अगर उनमें हिम्मत है, तो उन्हें नीचे आना चाहिए, मीडिया का सामना करना चाहिए, और रात 8 बजे के बाद चुनिंदा लीक करने के बजाय मेरे हर मुद्दे का जवाब देना चाहिए। उन्हें क्या रोक रहा है? क्या उन्हें लगता है कि बंगाल के लोग उनके गुलाम हैं? दो-तीन सवालों को छोड़कर, वे फेल हो गए हैं। क्या उन्हें लगता है कि बंगाल के लोग, और हम सांसद, मंत्री और विधायक, जिन्हें लोगों ने चुना है, बंधुआ मजदूर या गुलाम हैं?"

शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड हटाने का ऐलान

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी वॉशिंगटन

ट्रंप ने शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड वापस बुलाने का फैसला किया है, उनका दावा है कि इससे अपराध कम हुआ है, लेकिन वे भविष्य में स्थिति बिगड़ने पर फिर से तैनाती की चेतावनी दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और निचली अदालतों के फैसलों ने ट्रंप प्रशासन की शक्तियों पर अंकुश लगाया है, फिर भी वाशिंगटन डीसी में तैनाती जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि नेशनल गार्ड को शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से हटा लिया जाएगा। ट्रुथ सोशल पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए, 79 वर्षीय रिपब्लिकन नेता ने कहा कि नेशनल गार्ड की मौजूदगी से ऊपर बताए गए शहरों में अपराध को काफी कम करने में मदद मिली है, और कहा कि अगर फेडरल सरकार ने दखल नहीं दिया होता तो वे 'चले गए' होते। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड में अपराध फिर से बढ़ता है तो नेशनल गार्ड को फिर से तैनात किया जा सकता है।

ट्रंप ने कहा "हम वापस आएंगे, शायद बहुत अलग और मजबूत रूप में, जब अपराध फिर से बढ़ने लगेगा - यह सिर्फ समय की बात है! यह विश्वास करना मुश्किल है कि ये डेमोक्रेट मेयर और गवर्नर, जो सभी बहुत अक्षम हैं, चाहेंगे कि हम चले जाएं, खासकर उस बड़ी प्रगति को देखते हुए जो हुई है???"

ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल जून से कई शहरों में अपराध और स्थानीय कानून प्रवर्तन निकायों की कानून-व्यवस्था बनाए रखने में 'अक्षमता' का हवाला देते हुए नेशनल गार्ड की तैनाती शुरू की थी। उन जजों की आलोचना के बावजूद, जो दावा करते हैं कि ट्रंप प्रशासन ने अपनी अथॉरिटी का 'उल्लंघन' किया है, राष्ट्रपति ने कहा कि अपराध से लड़ने और फेडरल संपत्ति की रक्षा के लिए तैनाती जरूरी थी।

हालांकि, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 24 दिसंबर को ट्रंप प्रशासन को शिकागो इलाके में नेशनल गार्ड तैनात करने से मना कर दिया, जहां एक इमिग्रेशन प्रवर्तन अभियान चल रहा था, जिससे कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। यह फैसला तीन जजों - सैमुअल अलिटो, क्लेरेंस थॉमस और नील गोरसच ने दिया था। कोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन यह दिखाने में विफल रहा कि विचाराधीन कानून "राष्ट्रपति को इलिनोइस में फेडरल कर्मियों और संपत्ति की रक्षा के लिए निहित अधिकार के प्रयोग में गार्ड को फेडरल बनाने की अनुमति देता है।" इससे पहले, एक फेडरल जज ने भी ट्रंप को लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की तैनाती खत्म करने का आदेश दिया था।

रूस ने पुतिन के घर पर यूक्रेनी `ड्रोन हमलों' का खौफनाक वीडियो जारी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी मास्को

रूस के इस दावे के एक दिन बाद कि यूक्रेनी ड्रोनों के एक झुंड ने मॉस्को और क्रीमिया के कई हिस्सों पर हमला किया, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घर पर बार-बार हमलों को दिखाने वाला एक खौफनाक वीडियो वायरल हो गया। क्रेमलिन द्वारा जारी एक और वीडियो में, पुतिन के घर पर हमले में इस्तेमाल किए गए गिराए गए ड्रोनों में से एक में छह किलोग्राम विस्फोटक चार्ज ले जाते हुए दिखाया गया था। नए साल की पूर्व संध्या से पहले पुतिन के घर पर हुए हमले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिंता जताई, जिन्होंने सभी पक्षों से क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए चल रहे प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया रूसी संघ के राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाने की खबरों से गहरी चिंता है। चल रहे राजनयिक प्रयास दुश्मनी खत्म करने और शांति हासिल करने का सबसे अच्छा रास्ता हैं। हम सभी संबंधितों से इन प्रयासों पर ध्यान केंद्रित रखने और ऐसे किसी भी काम से बचने का आग्रह करते हैं जो उन्हें कमजोर कर सकता है। इस बीच, यूक्रेन ने पीएम मोदी और अन्य देशों द्वारा जताई गई चिंताओं को कम करके आंका, और रूस के दावों को बिना सबूत के बताया।

ऐसे किसी भी हमले के दावों को खारिज करते हुए, यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने X पर लिखा, "लगभग एक दिन बीत गया है और रूस ने अभी भी यूक्रेन द्वारा पुतिन के घर पर कथित हमले के अपने आरोपों का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं दिया है। और वे नहीं देंगे। क्योंकि ऐसा कोई सबूत नहीं है। ऐसा कोई हमला नहीं हुआ।" उन्होंने आगे कहा, "हमें अमीराती, भारतीय और पाकिस्तानी पक्षों के बयानों को देखकर निराशा और चिंता हुई, जिन्होंने उस हमले के बारे में चिंता जताई जो कभी हुआ ही नहीं।"

इससे पहले, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को यूक्रेन पर मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच स्थित नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के घर को 91 ड्रोनों से निशाना बनाने का आरोप लगाया, और कहा कि उन्हें एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक दिया था।

फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी मुलाकात के बाद, यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने इस घटनाक्रम को रूस द्वारा शांति वार्ता को पटरी से उतारने और "यूक्रेन के खिलाफ अतिरिक्त हमलों को सही ठहराने" का एक सोचा-समझा प्रयास बताया। यूक्रेन का साथ देते हुए फ्रांस ने कहा कि उसे "रूसी अधिकारियों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों" का समर्थन करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला है।

1 जनवरी से BRICS की कमान भारत के हाथ, 2026 में टूटेगा पश्चिमी दबदबा, न्यू ग्लोबल एरा की होगी शुरुआत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

जब हाशिये पर स्थित देश केंद्र की भाषा बोलने लगते हैं, तो वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। 2026 वह वर्ष है जब भारत 1 जनवरी से ब्रिक्स (दस देशों का एक अंतर-सरकारी संगठनः ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात) की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। औपचारिक रूप से, भारत एक वर्ष के लिए, यानी 31 दिसंबर, 2026 तक, इस जिम्मेदारी को निभाएगा। हालांकि, इसे केवल एक कैलेंडर-आधारित जिम्मेदारी के रूप में देखना संकीर्ण सोच होगी। भारत की अध्यक्षता केवल एक नियमित राजनयिक प्रक्रिया नहीं है; यह सभ्यतागत और भू-राजनीतिक नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। भारत इस जिम्मेदारी को ऐसे समय में ग्रहण कर रहा है जब वह वैश्विक शक्ति के खेल में अब केवल एक दर्शक नहीं है, बल्कि नियम बनाने की स्थिति में है।

ब्रिक्स समूह अमेरिका जैसी शक्तियों के संरक्षणवाद और एकतरफा टैरिफ नीति के सामने एकजुटता दिखा रहा है। रियो डी जेनेरियो में बीते दिनों हुए समिट में देशों ने साफ किया कि वे वैश्विक व्यापार में खुलापन बनाए रखना चाहते हैं और संरक्षणवाद का विरोध करेंगे। वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने, फंडिंग स्रोतों में विविधता लाने और न्यू डिवलपमेंट बैंक के विस्तार पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा लोकल करेंसी में व्यापार, इंटिग्रेटेड पेमेंट सिस्टम जैसे उपायों पर चर्चा की जाएगी, जो डॉलर पर निर्भरता कम करने की दिशा में आते हैं। ब्रिक्स और ब्रिक्स प्लस देश कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा, सप्लाई चेन और तकनीक ट्रांसफर जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाकर ग्लोबल साउथ को मजबूत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसका मकसद वैश्विक आर्थिक संतुलन में बदलाव लाना है।

वो दौर बीत चुका है जब पश्चिमी मीडिया ब्रिक्स को "एक ढीला-ढाला समूह" कहकर उपहास उड़ाता था। अब यह समूह केवल ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका तक सीमित नहीं है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान और मिस्र जैसे देशों के शामिल होने से यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली के विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है। इस समूह ने 2024 में विश्व के लगभग 42 प्रतिशत तेल का उत्पादन किया। आज, ब्रिक्स वैश्विक जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है, जो पश्चिमी अभिजात वर्ग के समूह जी-7 से कहीं अधिक है। ब्रिक्स समूह में विश्व की आधी से अधिक आबादी रहती है। यह ऊर्जा, कच्चा माल, विनिर्माण और उपभोक्ता बाजार - इन चार क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाता है। इसके अलावा, ब्रिक्स देशों के पास विश्व के स्वर्ण भंडार का 20 प्रतिशत हिस्सा है। भारत ब्रिक्स अध्यक्षता में समूह को एक नया स्वरूप देने का प्रयास करेगा। वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को महत्व देने, आर्थिक सहयोग बढ़ाने और व्यापार और वित्तीय प्रणाली में स्थानीयकरण के उपाय अपनाने की दिशा में भारत सक्रिय रहेगा। इससे न सिर्फ ब्रिक्स का वैश्विक प्रभाव बढ़ेगा बल्कि भारत की विदेश नीति को भी मजबूती मिलेगी।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

एमपी में कल्याणपुर, नौगांव-खजुराहो सबसे ठंडे शहर

दिसंबर में 25 साल का रिकॉर्ड टूटा; नए साल में भी कड़ाके की ठंड पड़ेगी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

इस बार मध्यप्रदेश में नवंबर-दिसंबर की सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। नवंबर में 84 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी तो दिसंबर में 25 साल का रिकॉर्ड टूटा। मौसम विभाग ने नवंबर-दिसंबर की तरह ही जनवरी में भी कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान जताया है। एक्सपर्ट की माने तो जनवरी में प्रदेश में माइनस वाली ठंड गिर चुकी है। अबकी बार भी तेज सर्दी, घना कोहरा छाने के साथ शीतलहर भी चलेगी। साल की आखिरी रात में भी प्रदेश में तेज ठंड पड़ी। कल्याणपुर, नौगांव और खजुराहो सबसे ठंडे शहरों में टॉप-3 पर रहे। इसके बावजूद न्यू ईयर का जमकर सेलिब्रेशन हुआ। नए साल के पहले दिन कोहरे और सर्दी का असर है। ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया और शहडोल के साथ इंदौर, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, विदिशा, मंडला, डिंडौरी समेत कई जिलों में कोहरे का असर देखा गया। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी से एमपी में सर्दी का असर बढ़ा है। सुबह घने कोहरे के अलावा कोल्ड वेव यानी, शीतलहर, कोल्ड डे और तेज ठंड भी है। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को जेट स्ट्रीम (ठंडी-गर्म हवा का नदी जैसा बहना) की रफ्तार 278 kmph तक पहुंच गई। इस वजह से एमपी में भी रात के तापमान में गिरावट आई है। गुरुवार को भी जेट स्ट्रीम तेजी से बहेगी।

मौसम एक्सपर्ट की माने तो प्रदेश में ठंड बढ़ने की वजह खास वजह जेट स्ट्रीम भी है। यह जमीन से लगभग 12.6 किमी ऊंचाई पर चलने वाली तेज हवा है। इस बार रफ्तार 285 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई है। यह देश के उत्तरी हिस्से में सक्रिय है। पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवा के अलावा ये ऊंची हवा सर्दी बढ़ा रही है। उत्तर के मैदानी इलाकों से जब ठंडी हवा और पहाड़ी इलाकों से बर्फीली हवा हमारे यहां आती है, तब तेज ठंड पड़ती है। यह सब उत्तर भारत में पहुंचने वाले मौसमी सिस्टम वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण होता है। ऐसे में यदि जेट स्ट्रीम भी बन जाए तो सर्दी दोगुनी हो जाती है। इस बार यही हो रहा है।

प्रदेश में तेज ठंड और कोहरे की वजह से जनजीवन पर भी असर पड़ने लगा है। बुधवार को दिल्ली से आने वाली कई ट्रेनें लेट रही। दतिया और ग्वालियर में सुबह के समय घना कोहरा रहा। यहां विजिबिलिटी 50 मीटर तक रही। नौगांव, सतना, सीधी, भोपाल, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, खजुराहो, मंडला, गुना, खरगोन, राजगढ़ और दमोह में भी कोहरा रहा।

कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। खजुराहो में 4.2 डिग्री, नौगांव में 4.4 डिग्री, उमरिया में 5.2 डिग्री, रीवा में 5.4 डिग्री, पचमढ़ी में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों में इंदौर सबसे ठंडा रहा। पारा 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल में 9 डिग्री, उज्जैन में 9.8 डिग्री और जबलपुर में 8.2 डिग्री रहा। करीब 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। इससे पहले शहडोल के कल्याणपुर में पारा रिकॉर्ड 1.7 डिग्री रह चुका है।

मौसम विभाग की माने तो इस बार दिसंबर में भी सर्दी का असर तेज रहा। भोपाल में नवंबर की सर्दी का 84 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है, जबकि इंदौर में 25 साल में सबसे ज्यादा ठंड पड़ी है। ऐसी ही सर्दी दिसंबर में भी है। इंदौर में दिसंबर की सर्दी का 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया।

मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने (जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर) में से दो महीने जुलाई-अगस्त महत्वपूर्ण रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं। इसलिए टेम्प्रेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं।

करियर कॉलेज ऑटोनॉमस में कला का संगम

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज ऑटोनॉमस भोपाल में 30 दिसंबर 2025 को आर्टस डिजाइन टीचर्स फोरम एंड करियर डिजाइन स्कूल द्वारा ग्रीन इंप्रेशन नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार शुक्ला (आई ए एस ए सी एस गवर्नमेंट ऑफ़ मध्य प्रदेश) विशिष्ट अतिथि श्री अखिल सहाय डायरेक्टर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी, डॉ विद्या राकेश डायरेक्टर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिजाइनिंग मध्य प्रदेश का स्वागत कॉलेज अध्यक्ष श्री मनीष राजोरिया द्वारा पौधे भेंटकर किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रचलित कर किया गया।

आर्ट डिजाइन टीचर्स फोरम के संस्थापक श्री सुनील शुक्ला ने आर्ट डिजाइन टीचर्स फोरम की गतिविधियों एवं कार्यों से अवगत कराते हुए कहा कि भारत की कला सर्वव्यापी और सराहनीय हैं। कॉलेज अध्यक्ष श्री मनीष राजोरिया ने स्वागत भाषण के साथ ही क्रिएटिव इंडिया और डिजाइन पाठ्यक्रमों में रचनात्मक सीडीएस इनक्यूबेशन पर जानकारी देते हुए कलाकृतियों के महत्व को बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजय कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम की सरहाना करते हुए कहा कि कला हमें बेहतर इंसान बनाती है और अपने बच्चों को कला से जरूर जोड़ना चाहिए। श्री देवीलाल पाटीदार ने अपने उद्बोधन में कहा के प्रकृति ने जो सृष्टि बनाई है उसमें कोई भेदभाव नहीं रखा है हमें प्रति प्रकृति का आदर करते हुए समान भाव से सभी को देखना चाहिए।

श्री अखिल सहाय ने कहा कि कला चाहे जो हो वह हर मनुष्य में विद्यमान होती है उसे पहचानने की जरूरत होती है व्यक्ति को अपनी कला को पहचान कर उसे साकार करना चाहिए।

मुख्य अतिथि डॉक्टर विद्या राकेश ने कहा कि भोपाल समृद्ध शहर है और यहां कला प्रेमियों ने कलाकारों को बहुत स्नेह और सम्मान दिया है उन्होंने बताया कि आज के बच्चे बहुत प्रतिभावान है और उनकी प्रतिभा को पेरेंट्स एवं टीचर्स को मंच पर प्रदान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर करियर कालेज और आर्ट डिजाइन टीचर्स फोरम के नव वर्ष के कैलेंडर का विमोचन अतिथि और मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। अंत में आभार ग्रुप डायरेक्टर प्रोफेसर प्रदीप जैन द्वारा किया गया।

यतीन्द्र नाथ राही का लेखन सुदीर्घ जीवनानुभवों का नवनीत है - रघुनन्दन शर्मा

सौवें जन्मदिन पर साहित्यिक संस्थाओं ने किया यतीन्द्र नाथ राही का सार्वजनिक अभिनंदन

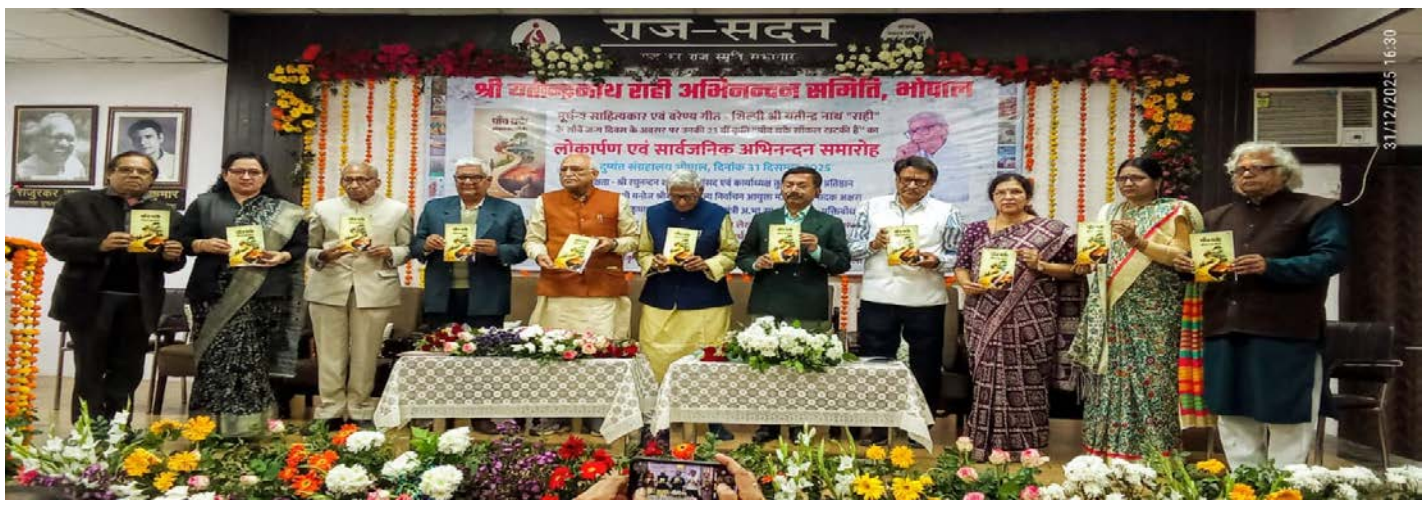

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

यतीन्द्र नाथ राही का लेखन सुदीर्घ जीवनानुभवों का नवनीत है। उनकी चेतना और ऊर्जा आज भी उन्हें रचनाधर्म में सक्रिय रखी है। वे सायास नहीं लिखते अपितु उनके भावों का प्रवाह स्वयमेव गीत में ढल जाता है।" उक्त बात मूर्धन्य गीतकार श्री यतीन्द्र नाथ राही के सार्वजनिक अभिनन्दन समारोह में अध्यक्ष के रूप में बोलते हुए श्री रघुनन्दन शर्मा ने कही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि राही जी की जिजीविषा न थकी है न चुकी है। वे अपने गीतों में केवल स्वयं की बात नहीं करते अपितु समग्र सृष्टि की बात करते हैं। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि श्री ऋषि कुमार मिश्र ने कहा कि साहित्य का काम असंभव को भी संभव की परिधि में लाता है। इस दृष्टि से राही जी की कलम ज्ञान और शब्द के बीच सेतु का काम करती है। अपने सम्मान की स्वीकृति में वक्तव्य देते हुए राही जी ने यह विश्वास व्यक्त किया की सभी साहित्यकारों का स्नेह उन्हें निरंतर मिलता रहेगा। आपने अपनी लोकार्पित 23 वीं कृति से चुनिंदा गीतों का पाठ किया।

राही जी के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए डॉ. साधना गंगराडे ने कहा कि राही जी ने छठवीं कक्षा में पढ़ते समय आल्हा छंद में कविता लिखी जिसे शाला में सुनाया तो सराहना मिली जिसके बाद यह क्रम चलता रहा और अब तक उन्होंने तेईस कृतियों का सृजन किया है। आपकी लेखनी ने समय को देखा है, समाज को परखा है और मनुष्य को मनुष्य बने रहने की सीख दी है। राही जी की दोहा विधा पर चर्चा करते हुए डॉ. नुसरत मेंहदी ने कहा कि राही जी का रचना-संसार लोक, स्मृति, संतोष और मूल्य-बोध से समृद्ध है। अपनी पुस्तकों के माध्यम से उन्होंने आधुनिक भटकन के बीच जीवन और जड़ों की पहचान कराई। बाल साहित्य पर सुनीता यादव ने कहा कि राही जी को बालमन की गहरी समझ है उन्होंने तितली, बादल, मोर, कबूतर व दादी माँ की गोद में ,जैसी बाल साहित्य कृतियाँ बच्चा बनकर ही लिखी हैं। राही जी की गीत रचनाओं के बारे में श्री ऋषि श्रृंगारी ने कहा कि राही जी अपनी गीत यात्रा में चलते चलते मानसरोवर तक पहुँच गये हैं,जहाँ गीतों के असंख्य शंख व सीपियाँ बिखरे पड़े हैं। डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने नवीन कृति की समीक्षा करते हुए उन्हें जन सरोकारों का कवि बताया तथा उक्त गीत संकलन की रचनाओं के अंश उद्धृत करते हुए उनके गीतों को आशावादी और प्रेरणाप्रद निरूपित किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए डॉ. राजेन्द्र गट्टानी ने कहा कि साहित्यकार कभी बूढ़ा नही होता। श्रद्धेय राही जी ने अनवरत सृजनरत रहते हुये इसकी पुष्टि की है। अंत में डॉ. करुणा राजुरकर ने आभार प्रदर्शन किया।

भोपाल के साहित्यिक समाज की ओर से अखिल भारतीय साहित्य परिषद भोपाल इकाई, मध्यप्रदेश लेखक संघ , हिन्दी लेखिका संघ मध्यप्रदेश, रामायण केंद्र भोपाल, अखिल भारतीय कला मंदिर , अखिल भारतीय देवनागरी हिन्दी भाषा सम्वर्धन एवम् शोध संस्थान, निर्भया साहित्यिक सामाजिक एवम् महिला कल्याण संस्थान, दुष्यंत कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय, बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र,आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन, छांदस रचनाकार समूह "अंतरा", श्रीकृष्ण कृपा मालती महावर बसंत परमार्थ न्यास एवं सकलपर्णा कला एवं साहित्य संस्था द्वारा यह आयोजन दुष्यंत संग्रहालय में किया गया था।

परम्परा और प्रगति के बीच परिवार में संतुलन एक चुनौती -घनश्याम मैथिल

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'पुरातन परम्परा और आधुनातन प्रगति के बीच परिवार में समन्वय और संतुलन आज की सबसे बड़ी चुनौती है, आधुनिक जीवन शैली भौतितावादी और अर्थ प्रधान है इसमें संवेदनायें खत्म हो रही हैं घर परिवार टूट रहे हैं इससे समाज और देश टूटने का खतरा है इस पर समय रहते ध्यान देना होगा |

' यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत ' के जो अभिव्यक्ति विचार यात्रा भारत डायलॉग द्वारा ओल्ड एम. एल. ए. क्वार्टर में 'समसामयिक परिवेश में घर परिवार और कटुम्ब की भूमिका ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे | कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य एवं आयोजन की रुपरेखा एवं विषय प्रवर्तन करते हुए आयोजन का सरस संचालन करते हुए कार्यकम सुपरिचित गीतकार मनोज जैन मधुर ने आगे बढ़ाया| विशिष्ठ अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक आर. डी. तैलंग ने कहा की आज कुटुंब की अवधारणा बदल रही है कुटुंब रक्त सबंधों से इतर नये नये स्तर पर जरूरत के अनुसार बन रहे हैं | इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार विनोद जैन ने हस्तक्षेप करते हुए कहा की आधुनिक समय में तकनीकी का उपयोग करते हुए दूर दूर बिखरे परिवार और कुटुंब को जोड़ा जा सकता है | आयोजन की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अभिजीत देशमुख ने परिवार और कुटुंब से भावनात्मक जुड़ाव का महत्व बताते हुए इनके महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं के बीच वरिष्ठ जनों द्वारा काम करने की आवश्यकता पर बल दिया,इस आयोजन में वरिष्ठ पत्रकार जगत शर्मा, राजकुमार बरुआ ने भी अपने महत्वपूर्ण विचार रखे | कार्यक्रम में बंगलादेश में की जा रही निर्दोष भारतीय नागरिकों की हत्या पर रोष प्रकट करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया | कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन सुबोध श्रीवास्तव ने किया | आयोजन में कपिल तिवारी, विनय, संदीप उपाध्याय, शिवानी सैनी, मृत्युनंजय मिश्रा, सुशील विश्वकर्मा, भंवर सिंह, राजकुमार, रत्ना चौहान सहित बड़ी संख्या में युवा छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

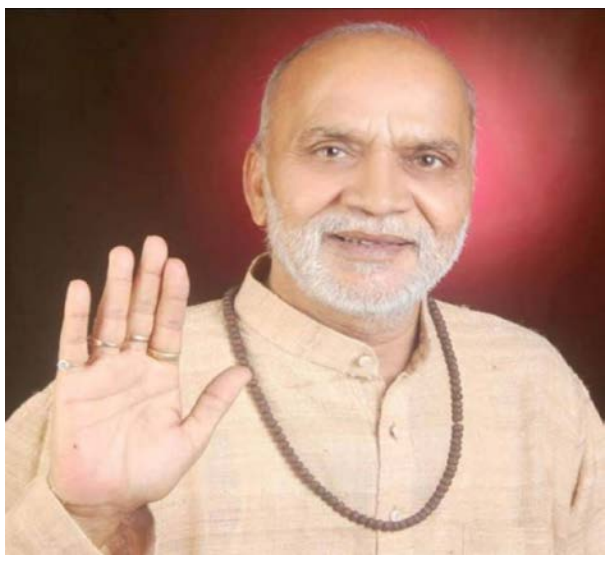

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी महाराज का अशरीरी आत्माओं से साक्षात्कार होना कोई असामान्य बात नहीं थी। उन्हें अनेक दिव्य शक्तियाँ—कभी शरीर रूप में तो कभी अदृश्य रूप में—दर्शन देने आती रहती थीं। इन शक्तियों का स्वरूप अत्यंत विचित्र और रहस्यमय होता था। ऐसी ही एक अद्भुत घटना का वर्णन यहाँ किया जा रहा है प्रतिदिन की भाँति दादाजी पूजन के उपरांत भक्तों से मिलते-जुलते रहते थे। इसी कारण वे प्रायः भोजन करने में विलंब कर देते थे। दादी श्री (दादाजी महाराज की धर्मपत्नी) उनका भोजन—चार रोटियाँ, दाल, चावल एवं सब्ज़ी—एक थाली में परोसकर दूसरी थाली से ढककर रख देती थीं। यह उनका नित्य का नियम था। एक दिन जब सभी भक्त जा चुके थे, तब दादाजी बाहर का गेट लगाने के लिए जैसे ही आए, उन्होंने गेट के पास एक भिखारी को खड़ा पाया। उसके बाल बहुत बड़े थे, बालों में अत्यधिक मैल जमा होने के कारण वे आपस में चिपके हुए थे। सिर में असंख्य जुएँ रेंग रही थीं। उसकी दाढ़ी बहुत लंबी थी और वह अत्यंत गंदे धोती-कुर्ते पहने हुए था। वह बार-बार सिर खुजला रहा था।दादाजी को देखकर उसने कुछ देने के लिए कहा। दादाजी ने उससे स्नेहपूर्वक पूछा भोजन करोगे

उस व्यक्ति ने हाँ में सिर हिलाया।

दादाजी बोले चलो, आज तुम्हें डाइनिंग टेबल पर भोजन कराता हूँदादाजी उसे पीछे के दरवाज़े से घर के अंदर डाइनिंग टेबल तक ले गए। वहाँ उन्होंने उसे एक कुर्सी पर बैठाया और स्वयं भी सामने बैठ गए। जो ढकी हुई थाली रखी थी, दादाजी ने वह थाली उस व्यक्ति की ओर बढ़ा दी। उस व्यक्ति ने कहा नहीं-नहीं, तुम भी खाओ। फिर उसने चारों

रोटियाँ एक साथ रखकर उन्हें बीच से आधा कर दिया। चार आधी रोटियाँ उसने अपनी थाली में रख लीं और चार आधी रोटियाँ दादाजी की थाली में रख दीं। इस प्रकार दोनों की थालियों में बराबर-बराबर भोजन हो गया।वह व्यक्ति बीच-बीच में अपना सिर खुजाता जा रहा था, जिसमें बहुत सी जुएँ रेंग रही थीं। उसी हाथ से उसने रसीली सब्ज़ी में उँगलियाँ डालकर अच्छी तरह मिलाया और उसी हाथ से दादाजी की थाली में भी सब्ज़ी परोस दी। इस प्रकार दादाजी की थाली में भी दो रोटियाँ और सब्ज़ी आ गई। दोनों ने अत्यंत प्रेम और सहजता के साथ भोजन किया।

भोजन समाप्त करने के बाद वह व्यक्ति खड़ा हुआ। उसने बगल में स्थित रसोईघर की ओर देखा और भीतर झाँकते हुए दादाजी से बोला, अच्छा, यहाँ खाना बनता है।

फिर वह आगे बढ़ा। वहाँ एक और कमरा था, जिसके दरवाज़े बंद थे। उस दरवाज़े में एक छोटा-सा छेद था, जिसकी जानकारी दादाजी को भी नहीं थी। उस व्यक्ति ने उस छेद से अंदर झाँकते हुए कहा,अच्छा इस कमरे में बच्चे रहते हैं। इसके पश्चात वह हाल की ओर गया और बोलाअच्छा है, बहुत अच्छा है। किन्तु आश्चर्य की बात यह थी कि उसने पूजन कक्ष की ओर दृष्टि तक नहीं डाली। तब दादाजी ने उससे कहा, मैं तुम्हारे लिए नया धोती-कुर्ता लाता हूँ, तुम पहन लेना। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, मैं किसी से कुछ भी नहीं लेता। अब मैं जा रहा हूँ।"

इतना कहकर जैसे ही उसने पीठ घुमाई, वह उसी क्षण अंतर्धान हो गया। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि भले ही दिव्य आत्माएँ विभिन्न रूप धारण करके दादाजी के पास आती थीं, किंतु दादाजी उन्हें पहचान लेते थे। यह उनके दिव्य ज्ञान,करुणा और लोककल्याण हेतु अवतरित महापुरुष होने का प्रमाण है।

तुलसी साहित्य अकादमी जिला इकाई भोपाल ने 3-00 से "सर्दी/जड़कारे" पर केंद्रित ओन लाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

तुलसी साहित्य अकादमी जिला इकाई भोपाल ने 3-00 से "सर्दी/जड़कारे" पर केंद्रित ओन लाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन डा. मोहन तिवारी "आनंद" की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंजनी कुमार शर्मा जी भागलपुर बिहार रहे, विशेष अतिथि डा. आर पी तिवारी राजेंद्र जी टीकमगढ़ तथा सारस्वत अतिथि श्री के. के. पाठक बिलासपुर छत्तीसगढ़ रहे। संचालन डॉ.अशोक तिवारी "अमन", अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी जिला इकाई शाखा,भोपाल ने किया।

गोष्ठी हेतु लगभग 35 कवियों ने अपने नाम सहभागिता हेतु दिए किंतु समयाभाव और नेट की समस्या के कारण केवल 23 कवियों से ही काव्य पाठ कराया जा सका। सर्वप्रथम अंजनी कुमार शर्मा के द्वारा माँ सरस्वती की वंदना का पाठ कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तदोपरांत जिन रचनाकारों ने सहभागिता की वे प्रकार हैं:--

मनोरमा पंथ भोपाल ने सुनाया - कल रात से ही जमीं से लेकर आसमा तक था ठंड का पहरा,
दसों दिशाओं तक उसने फैला रखा था कोहरा ही कोहरा।

डॉ शिव कुमार दीवान ने सुनाया - मौसम ने की अंगड़ाई ली, ठंड कँपाये अंग। सूरज फरमाने लगे,मचलन लगे अनंग।

महाकवि हरिशंकर दुबे ने सुनाया -
सर्दी आई सबको भाई,लग रही है अति नीकी।
आग जलाओ शीत भगाओ,ठंड लगेगी फीकी।
ऊषा सक्सेना मुंबई ने सुनाया - सर्द हवाएं फिर निकली है,बर्फीली चादर ओढ। एक कुहासा रहा घेरता,धूप गई है दिन की छोड़॥

शिव कुमार गुप्ता निवाड़ी,पूरन चंद्र गुप्ता पूरन टीकमगढ़,
आलोक रंजन कुमार बिहार
हरिमोहन राय चित्रकूट,
रश्मि शुक्ला टीकमगढ़ ने
कर्नल गिरजेश सक्सेना आदि कवियों ने जाड़ा/जड़कारे पर कविताओं का पाठ किया।

डॉ अशोक तिवारी अमन संचालक ने सुनाया -
वर्षा विगत शीत ऋतु आई, पवन चले पुरवाई।
बुझी बुझी सी लगे दोपहरी,धूप अनमनी आई॥

के. के. पाठक, बिलासपुर, सारस्वत अतिथि ने सुनाया -
ठंड कड़ाके के लिए,
आया मौसम शीत।
कपड़े गर्म निकाल लो, अलमारी से मीत॥

रचना का पाठ किया।

मुख्य अतिथि अंजनी कुमार शर्मा भागलपुर ने सुनाया -
कंपकपाती ठंड में, सिहर रहा है देश।

डॉ मोहन तिवारी आनंद राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी ने सुनाया
जड़कारे पर एक घनाक्षरी छंद और कुछ दोहों का पाठ किया -जयमाला लेकर खड़ी,ठंड वृद्ध के द्वार।
मूड़ हिलाते वृद्ध ने साफ किया इंकार।।

अंत में सभी का धन्यवाद,/ आभार व्यक्त करके कार्यक्रम का समापन किया गया।

गणतंत्र दिवस परेड में मध्यप्रदेश के आठ एनएसएस स्वयंसेवक करेंगे सहभागिता

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भारत अपने गणतंत्र के अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। इस वर्ष देश 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली परेड का मुख्य आकर्षण मार्च पास्ट रहेगा। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भाँति राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के लगभग 200 स्वयंसेवक पूरे देश से चयनित होकर राष्ट्रपति को सलामी देंगे। मध्यप्रदेश से इस वर्ष आठ स्वयंसेवकों का चयन हुआ है, जो प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इनमें बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल से चार स्वयंसेवक — रिमी शर्मा, आदित्य गौर, आशा वरकड़े एवं प्रज्ञा सक्सेना; जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से दो स्वयंसेवक — अंतरा चौहान एवं विनोद कुमार सेन; महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर से संजय कुमार रजक तथा विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से महेश चौहान शामिल हैं। ये सभी स्वयंसेवक 1 जनवरी से 31 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता करेंगे तथा 26 जनवरी 2026 को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में मार्च पास्ट करेंगे। इस दौरान वे न केवल परेड की कठोर अनुशासनात्मक प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरेंगे, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सेवा और समर्पण की भावना को भी आत्मसात करेंगे।

दिल्ली रवाना होने से पूर्व इस दल ने अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन श्री अनुपम राजन, उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री प्रबल सिपाहा, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल के उप कार्यक्रम सलाहकार डॉ. अशोक कुमार श्रोती, राज्य एनएसएस अधिकारी श्री मनोज कुमार अग्निहोत्री, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनंत कुमार सक्सेना तथा ईटीआई प्रशिक्षक एवं मुक्त इकाई कार्यक्रम अधिकारी श्री राहुल सिंह परिहार एवं युवा अधिकारी श्री राजकुमार वर्मा से भेंट की।

गणमान्यों ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह अवसर न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि मध्यप्रदेश के ये युवा स्वयंसेवक गणतंत्र दिवस परेड में अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम देशभर में रोशन करेंगे। साथ ही, सभी चयनित स्वयंसेवकों को ट्रैकसूट वितरित किए गए।

भोपाल में पानी की जांच करने पहुंची टीम, दूषित पानी से इंदौर में 9 मौतों के बाद अलर्ट

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 9 मौतें हो चुकी हैं। इसके बाद भोपाल नगर निगम भी अलर्ट हो गया है। महापौर मालती राय ने सभी इंजीनियरों को निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। जिससे पता चल सके कि कहीं दूषित पानी की सप्लाई तो नहीं की जा रही है। महापौर राय ने सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और सुपरवाइजरों को निरीक्षण करने को कहा है। वहीं, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को नजर रखने को कहा है। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए हैं। 8 महीने पहले अवधपुरी में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई अचानक बंद हो गई थी। जांच में सामने आया कि इलाके में एक प्राइवेट वेंडर द्वारा नाले से जुड़ा खुदाई कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गैस सप्लाई बाधित हुई। इस तरह की स्थिति पीने की पाइप लाइन में तो नहीं, इसे जांचने के लिए बुधवार को नगर निगम की टीम अवधपुरी पहुंची। कुछ घरों से पानी के सैंपल भी लिए गए हैं। बता दें कि सीवेज संबंधित कई शिकायत हर रोज नगर निगम में आती हैं। ऐसे में डर है कि कहीं सीवेज पीने के पानी में तो नहीं मिल रहा? इसकी जांच के लिए टीमें मैदान में उतरी है। करीब 3 साल पहले भोपाल में बड़ा हादसा हो चुका है। ईदगाह हिल्स स्थित मदर इंडिया कॉलोनी में बुधवार रात क्लोरीन गैस के रिसाव से हड़कंप मच गया था। बस्ती में रहने वाले लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इससे लोग घरों से बाहर निकल गए। महिला समेत 3 लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

दादाजी धाम मंदिर में नववर्ष 2026 के उपलक्ष्य में सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में नववर्ष 2026 के शुभ आगमन के पावन अवसर पर आज 1 जनवरी 2026 (गुरुवार) को विश्व जनकल्याण, अमन-शांति एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना के साथ भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर (बुधवार) को भी वर्ष 2025 की विदाई के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा रुद्राभिषेक किया गया था। इसी क्रम में नववर्ष के प्रथम दिवस पर भक्तिभाव से ओतप्रोत सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है।

श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शिवरतन नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सायं 4:00 बजे से पंडित राजेन्द्र पलिया के आचार्यत्व में विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का सामूहिक रुद्राभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया जाएगा। इस आयोजन में श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु सहभागिता कर सकेंगे। रुद्राभिषेक उपरांत श्रीफल से हवन, तत्पश्चात

महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस पावन अवसर पर भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उपस्थित होने की संभावना है। दादाजी धाम परिवार द्वारा समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करने का विनम्र अनुरोध किया गया है। श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु मंदिर के पट प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक खुले रहेंगे।

आशा, संकल्प व लोक कल्याण का नववर्ष

नववर्ष 2026 हमारे जीवन के द्वार पर दस्तक दे चुका है। नववर्ष केवल तिथि परिवर्तन या कैलेंडर का पन्ना पलटने भर का नाम नहीं, बल्कि आत्ममंथन, आत्मसुधार और नवसंकल्प का अवसर होता है। यह वह क्षण है जब व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह तय करता है कि बीते समय से उसे क्या सीख मिली और आने वाले समय में जीवन को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा? ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम नववर्ष में न केवल अपने व्यक्तिगत कल्याण का, बल्कि व्यापक लोक कल्याण का भी संकल्प लें। यह सत्य है कि हम जैसा सोचते हैं, वैसी ही हमारी वाणी बनती है। जैसी वाणी होती है, वैसा ही हमारा कर्म होता है, और जैसे कर्म होते हैं, वैसा ही हमारा व्यक्तित्व आकार लेता है। इसलिए नववर्ष 2026 का शुभारंभ यदि हमें करना है, तो अपने भीतर व्याप्त बुराइयों, कमजोरियों और अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान, विवेक और प्रकाश का स्वागत करना होगा। समर्पण, ईमानदारी, धैर्य और नियमित आत्म-मूल्यांकन के माध्यम से ही हम सफलता के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। दृढ़ संकल्प, बलवती इच्छाशक्ति, रचनात्मक चिंतन, विवेकयुक्त पुरुषार्थ और निर्णायक कार्यशैली, इन पंचामृत तत्वों को अपनाकर व्यक्ति न केवल अपना कल्याण कर सकता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह पृथ्वी करोड़ों वर्षों से निरंतर गतिमान है। इस दीर्घ कालखंड में प्रकृति बदली है, भौगोलिक स्वरूप बदले हैं, जीव-जंतु और मानव सभ्यता ने अनेक रूप धारण किए हैं। इस परिवर्तनशील सृष्टि में यदि कुछ स्थायी रहा है, तो वह है परिवर्तन स्वयं। किंतु इन सभी परिवर्तनों के बीच मानव की आशा, जिजीविषा और कुछ नया करने की अदम्य इच्छा सदैव बनी रही है। शायद इसी कारण कहा गया है कि आशा जागते हुए मनुष्य का स्वप्न है। मानव जीवन भले ही सीमित हो, किंतु ईश्वर प्रदत्त बुद्धि, विवेक और परिश्रम के बल पर मनुष्य ने असंभव को संभव कर दिखाया है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कठिनाइयों और असफलताओं के बावजूद जिन लोगों ने हार नहीं मानी, वही आगे चलकर प्रेरणा बने। बिल गेट्स, थॉमस एडिसन, वाल्ट डिज्नी, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, अब्राहम लिंकन और जेके रॉलिंग जैसे व्यक्तित्व इस सत्य के प्रमाण हैं कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की सीढ़ी होती है। हमारी पीढ़ी ने पिछले कुछ दशकों में ऐसे परिवर्तन देखे हैं, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। किंतु यह भी एक कटु सत्य है कि भौतिक प्रगति की इस अंधी दौड़ में मानवीय संवेदनाएं कहीं पीछे छूटती जा रही हैं। रिश्तों में अपनापन, आदर और स्नेह का क्षरण स्पष्ट दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो हम भावनात्मक रूप से संज्ञाशून्य होते जा रहे हैं और प्रेम, करुणा तथा सहानुभूति जैसे मूल्य गौण हो गए हैं। आज हमारी भावनाओं पर वस्तुओं, ब्रांड और दिखावटी जीवनशैली का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। तेज रफ्तार जीवन में समय मानो हाथ से फिसलता चला जा रहा है। कब वर्ष बीत जाते हैं, इसका एहसास तक नहीं होता और नववर्ष का आगमन केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाता है।

किंतु जीवन ठहराव नहीं, निरंतर प्रवाह का नाम है। समय के साथ कदमताल करते हुए आगे बढना ही मनुष्य की नियति है। ऐसे में संकल्प का महत्व और भी बढ़ जाता है। संकल्प मन को केंद्रित करता है, इच्छाशक्ति को प्रबल बनाता है और ऊर्जा को सही दिशा देता है। नववर्ष 2026 के द्वार पर खड़े होकर आज मनुष्य व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक, तीनों स्तरों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। मानसिक तनाव, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं हमारे समय की कठोर सच्चाइयां हैं। किंतु इन चुनौतियों के आगे घुटने टेक देना समाधान नहीं है। दृढ़ इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। कठिनाइयां हमें तोडने नहीं, बल्कि मजबूत बनाने आती हैं, नववर्ष 2026 का यही मूल संदेश होना चाहिए। नववर्ष नई शुरुआत का प्रतीक है। यह हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। सबसे पहला संकल्प अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का होना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर और शांत मन के बिना जीवन की कोई भी उपलब्धि सार्थक नहीं हो सकती। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक संतुलन को जीवन का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। दूसरा महत्वपूर्ण संकल्प रिश्तों को समय देने और संवेदनाओं को जीवित रखने का होना चाहिए। तकनीक ने भले ही दूरी घटाई हो, किंतु दिलों के फासले बढ़ा दिए हैं। परिवार, समाज और आसपास के लोगों से जुड़ाव को पुनः मजबूत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। तीसरा संकल्प प्रकृति के संतुलन एवं संरक्षण का होना चाहिए। पर्यावरण संतुलन बनाए रखना केवल सरकारों का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इसके साथ-साथ यह अपेक्षा भी की जानी चाहिए कि केंद्र और राज्य सरकारें बीते अनुभवों से सबक लेकर ऐसी नीतियां बनाएं, जो रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करें, ताकि लोगों को अपने ही राज्य में सम्मानजनक आजीविका मिले और पलायन की मजबूरी न रहे। नववर्ष 2026 केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और पुनर्निर्माण का समय है। यदि हम सकारात्मक सोच, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास के साथ आगे बढ़ें, तो कोई कारण नहीं कि हमारे सपने साकार न हों। इसी आशा और विश्वास के साथ कामना है कि नववर्ष 2026 सभी के जीवन में स्वास्थ्य, शांति, सद्भाव और समृद्धि लेकर आए और यह वर्ष नई ऊर्जा, नई दृष्टि तथा लोक-कल्याण के नए संकल्पों का वर्ष बने। दैनिक दिव्य हिमाचल के सभी पाठकों, बुद्धिजीवियों और शुभचिंतकों को नववर्ष 2026 के लिए हार्दिक बधाइयां एवं शुभ कामनाएं।

-अनुज आचार्य, लेखक बैजनाथ से हैं

उम्मीद-ए-सहर की बात सुनो!

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है। बीता हुआ साल अच्छा नहीं था। अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें देश के अलग अलग हिस्सों के 25 बेकसूर सैलानियों और एक स्थानीय कश्मीर व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए छह और सात मई की दरम्यानी रात को आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन दुर्भाग्य से यह ऑपरेशन पाकिस्तान के साथ सीमित युद्ध में बदल गया। पहले के बालाकोट या उरी स्ट्राइक से उलट पाकिस्तान ने जवाबी हमला कर दिया। इसका अंत 10 नवंबर को बिल्कुल अप्रत्याशित तरीके से हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। उसके बाद से वे करीब एक सौ बार कह चुके हैं कि उन्होंने व्यापार बंद करने और टैरिफ बढ़ाने का दबाव डाल कर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए तैयार कराया। इसके बाद साल के अंत में राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार बम धमाका हुआ, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इन दो घटनाओं ने सरकार के बनाए सुरक्षा नैरेटिव को पूरी तरह से बदल दिया।

जुलाई का महीना एक अलग स्ट्राइक लेकर आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारत के उत्पादों पर पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया और रूस से तेल खरीदने की सजा देते हुए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया। इसके बाद से भारतीय मुद्रा यानी रुपए में गिरावट का ऐसा सिलसिला चला है कि एक डॉलर 90 रुपए से ज्यादा का हो गया है। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पूरी तरह से भारत विरोधी माहौल बन गया है, जिसका फायदा पाकिस्तान और चीन दोनों उठा रही हैं। शेख हसीना के तख्तापलट और उनके भारत आने के बाद से हिंदुओं पर हो रहे हमलों में पिछले साल अचानक तेजी आई।

हिंदुओं पर हमले की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और दिसंबर 2025 के आखिरी 15 दिन में तीन हत्याएं हुईं। वहां हालात 1971 जैसे बन रहे हैं और उसी तरह शरणार्थियों के भारत की सीमा पर जमा होने की आशंका बन गई है। नेपाल में भी सत्ता परिवर्तन हुआ और केपी शर्मा ओली का तख्तापलट करा कर जेन जी ने सुशीला कार्की को सत्ता सौंपी। एक तरह से पूरा साल भारत के लिए सामरिक नीति, कूटनीति और अर्थनीति तीनों में नैरेटिव गंवाने का रहा। दुनिया निश्चित रूप से दुविधा में रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सचमुच क्या हुआ था? उधर पाकिस्तान ने दुनिया की तीनों महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन का सद्भाव हासिल किया। उसके सेना प्रमुख का व्हाइट हाउस में स्वागत हुआ।

अगर घरेलू राजनीति की बात करें तो सरकार का विपक्ष के साथ टकराव बढ़ता गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा की जीत का जो सिलसिला हरियाणा, महाराष्ट्र में बना वह 2025 में दिल्ली और बिहार में जारी रहा। लेकिन लगातार जीत के बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा में बहुमत गंवाने के बाद से सहज नहीं हो पाया है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने 'वोट चोरी' को ऐसा मुद्दा बनाया है, जिससे देश की पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव आयोग लोगों का संशय दूर करने की बजाय विपक्ष के विरोधी की तरह बरताव कर रहा है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां 'वोट चोरी' के मामले में भले कांग्रेस के साथ पूरी तरह से सहमत नहीं हैं लेकिन संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सबने चुनाव आयोग के पक्षपात का मुद्दा बनाया। चुनाव प्रक्रिया पर बन रहा अविश्वास अंततः लोकतंत्र को कमजोर करेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक सही कदम है लेकिन इसे जिस तरह से जल्दबाजी में लागू किया गया उससे संदेह पैदा हुआ है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया में कई तरह की कमियां सामने आई हैं। भारत में राजनीति का विभाजन जितना गहरा हुआ है उसी अनुपात में समाज का विभाजन भी बढ़ा है। यह सामाजिक विभाजन लंबे समय में भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाला होगा।

सो, नए साल में गालिब की तरह यह तो नहीं कह सकते हैं कि, 'एक बिरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है', लेकिन फैज की तरह 'सहर की बात उम्मीद-ए-सहर की बात' यानी कर सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक होगा। भारत ने ब्रिटेन से लेकर न्यूजीलैंड कर सात देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और उम्मीद है कि नए साल में जनवरी या फरवरी में अमेरिका के साथ व्यापार संधि हो जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार संधि से बहुत कुछ बदलेगा। भारत का अलगाव समाप्त होगा। टैरिफ कम होगा, जिससे निर्यात बढ़ेगा और आर्थिकी पर दबाव कम होगा। यूरोपीय संघ के साथ भी भारत की व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। इससे भारत की आर्थिकी में एक ठहराव आने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार संधि होने के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। नेपाल में भी नए साल के शुरू में चुनाव होने वाले हैं। वहां भी राजनीतिक स्थिरता आती है तो भारत के लिए बेहतर होगा।

नए साल में फरवरी में बांग्लादेश में चुनाव होना वाले हैं। हालांकि शेख हसीना की आवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी है लेकिन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव लड़ रही है। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का निधन हो गया है लेकिन उससे ठीक पहले उनके बेटे तारिक रहमान अपने वतन लौट आए और चुनाव में अपनी पार्टी बीएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल इरशाद की जातीय पार्टी भी मुकाबले में है। जमात ए इस्लामी भी चुनाव लड़ रही है। सो, चुनाव लड़ रही लगभग सभी पार्टियों का रुख भारत विरोधी रहा है। फिर भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई सरकार के साथ संवाद बहाल बेहतर होगा और उम्मीद कर सकते हैं कि हिंदुओं पर हमले रुकेंगे। अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के बाद भी ऐसा लग रहा है कि नए साल में लेकिन घरेलू राजनीति का मैदान टकराव वाला बना रहेगा। अप्रैल और मई में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव हैं। पश्चिम बंगाल और असम का चुनाव बहुत ज्यादा कटुता बढ़ाने वाला होगा। भारत में चुनाव पिछले कुछ समय से जंग की तरह लड़े जा रहे हैं। इसमें इतनी कटुता पैदा होती है कि चुनाव के बाद भी वह समाप्त नहीं होती है। पहले पार्टियां और देश की जनता भी चुनाव के समय राजनीतिक टकराव के मोड में आती थी और चुनाव के बाद सब पहले जैसा सामान्य हो जाता था। लेकिन अब सालों भर राजनीति और समाज की खदबदाहट बनी रहती है। इससे सामाजिक विभाजन बढ़ता जा रहा है और टकराव की आशंका स्थायी रूप से बनी रहती है।

सरकार बीते साल को सुधारों का साल बता रही है क्योंकि उसमें श्रम कानूनों को बदला गया। भारत की परमाणु ऊर्जा नीति को बदला गया। रोजगार गारंटी की योजना बदली गई। सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पेश किया, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति में विचार हो रहा है तो जेल जाने वाले विधायकों, सांसदों को पद से हटाने का कानून भी लाया जा रहा है। इसके बिल पर भी संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। जो कानून बन गए हैं वो भी जो बिल लाए गए वो भी, सब टकराव बढ़ाने वाले हैं और विपक्ष इसके लिए कमर कस कर तैयार है। महात्मा गांधी नरेगा की जगह लाए गए विकसित भारत जी राम जी बिल पर तो जनवरी के पहले हफ्ते से ही कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन शुरू होने वाला है। सो, कह सकते हैं कि चुनाव और राजनीति के मोर्चे पर नए साल में टकराव बना रहेगा।

-अजीत द्विवेदी

अरावली में खनन रोकें...

पर्वतमालाएं किसी भी देश की प्रहरी और सुरक्षा-कवच होती हैं। उन्हें क्यों खोदा और छीला जाए? खनिज माफिया कहीं और खुदाई करके मुनाफा कमा सकता है। कमोबेश उसे तो छोड़ दिया जाए, जो इनसानी अस्तित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च अदालत ने अरावली पर्वतमाला पर समिति की अनुशंसाएं मानते हुए जो फैसला सुनाया था, उसे ब्रह्म-वाक्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च अदालत अपने फैसलों पर पुनर्विचार करती आई है, लिहाजा अरावली पहाडियों की 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर भी पुनर्विचार किया जा सकता है। जिस पहाड़ी की ऊंचाई 100 या अधिक मीटर है, वह अरावली है, शेष पहाडियां लावारिस हैं। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? संपूर्ण अरावली पर्वतमाला को सुरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। आज अरावली का नंबर है, कल हिमालय को भी खंडित किया जा सकता है! अरावली पर्वतमाला राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात में 692 किमी लंबी है। इसमें से अधिकांश हिस्सा राजस्थान के तहत आता है। यह देश की सबसे प्राचीन और अरबों साल पुरानी धरोहर है, लिहाजा आदरणीय भी है। जन-आंदोलन राजस्थान में ही नहीं, शेष राज्यों में भी उग्र करना चाहिए, क्योंकि यह पर्वतमाला हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जब ये पहाडियां नहीं रहेंगी, तो देश की राजधानी दिल्ली समेत मैदानी इलाकों की कितनी भयावह, गरम और मरुस्थलीय स्थितियां होंगी, यह सोच कर भी दहशत होने लगती है। यदि लगातार खनन के बाद अरावली पर्वतमाला शेष नहीं रही, तो राजधानी दिल्ली समेत उत्तरी भारत गरम और रेतीली हवाओं में घिर जाएंगे। धीरे-धीरे रेत के पहाड़ आकार लेंगे और रेगिस्तान दिल्ली, हरियाणा, गुजरात तक भी फैल जाएगा। राजस्थान का काफी हिस्सा आज ही मरुस्थल है। खनन और वनों की कटाई बढ़ी, तो दिल्ली-एनसीआर में पीएम 10 और पीएम 2.5 सरीखे प्रदूषण के कण बहुत तेजी से बढ़ेंगे। नतीजतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शाश्वत रूप से 'गंभीर' या 'अत्यंत खतरनाक' श्रेणी में ही रहेंगे। आज राजधानी क्षेत्र के निवासी गर्मियों में 48-50 डिग्री सेल्सियस तापमान झेल कर ही बिलबिलाने लगते हैं। मरुस्थलीय स्थितियों में तापमान बढ़ेगा और प्राकृतिक ठंडक खत्म हो जाएगी, तो क्या होगा? राजधानी क्षेत्र हमेशा धुंध-कोहरे में घिरा रहेगा, तो कैसा महसूस करेंगे? अरावली पर्वतमाला अपनी ऊंचाई के कारण प्राकृतिक रूप से धूल-अवरोधक है, जो थार मरुस्थल और उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक दीवार का काम करती है। मानसून की हवाओं को रोक कर बारिश कराती है, लिहाजा पर्वतमाला को छिन्न-भिन्न करने से हरियाणा और राजस्थान में अकाल की नौबत भी आ सकती है। वह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात में भी खाद्य-संकट पैदा कर सकती है। तो अरावली में खनन, खुदाई क्यों की जाए? हालांकि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का बयान है कि खनन अरावली पर्वतमाला के पूरे क्षेत्र के मात्र 0.19 फीसदी भाग में ही होता है। राजधानी दिल्ली में खनन की कोई भी अनुमति नहीं है, लेकिन फरीदाबाद और गुरुग्राम के जंगलात में जाकर मंत्री जी ने कभी जायजा लिया है। हरियाणा में भिवानी जिले के तोशाम विधानसभा क्षेत्र के एक गांव-खानक-का एक दृश्य सामने आया है। उस छोटे से गांव में हर 100 कदम पर 300 क्रशर मशीनें पहाडियां खोद रही हैं। वहां 150 से अधिक खनन साइट हैं, जहां हर वक्त 500 से अधिक डंपर मौजूद रहते हैं। गांव में करीब 1500 घर हैं। हरेक के घर की दीवारों में या तो दरारें आ गई हैं अथवा प्लास्टर उधड़ चुके हैं। क्या खनन की इजाजत इसलिए दी जाती रही है कि पहाडियों से बेशकीमती खनिज निकलते हैं और माफिया अमीर होता चला जाता है? अरावली पर्वतमाला के औसतन प्रत्येक हेक्टेयर में 20 लाख लीटर भू-जल पुनः भरने की अपार क्षमता है। कल्पना कीजिए, जब पानी ही नहीं होगा, तो क्या खेती करेंगे और क्या पीएंगे? अरावली को काटने-छांटने से एक दिन ऐसा होगा कि बनास, लूणी, साहिबी जैसी अरावली की नदियां ही सूख जाएंगी। तेंदुआ, भेडिया, सियार जैसे जंगली जानवर और असंख्य वनस्पतियां भी विलुप्ति के कगार पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री और मंत्री जी! आप के जिम्मे अभी बहुत से काम हैं। अरावली आपके घोषणा-पत्र का एजेंडा भी नहीं है। कृपया इसे बख्श दें अथवा जन-आंदोलन का सामना करें। प्रकृति का संरक्षण सरकार का पहला कर्त्तव्य है। हालांकि सामूहिक समाज की जिम्मेवारी भी है कि वह प्रकृति का विनाश न होने दे और अपनी भूमिका निभाए।

वोट बैंक का लालच व पर्यावरण विनाश

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा देश भर में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में जारी आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर सर्वाधिक अतिक्रमण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश और असम सबसे आगे हैं, जहां सबसे ज्यादा वन क्षेत्र पर अवैध कब्जे हैं। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे राज्य भी महत्वपूर्ण अतिक्रमण वाले राज्यों की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी एक रिपोर्ट में बताया था कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 1305668.1 हेक्टेयर (या 13056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अंतर्गत था। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि शामिल हैं

वोट बैंक का लालच सत्तारूढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता, परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई जब सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है जिससे जान-माल का भारी नुकसान होता है।

इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3554 लोगों की जान गई, 5948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाजुक भूभाग पर हर साल

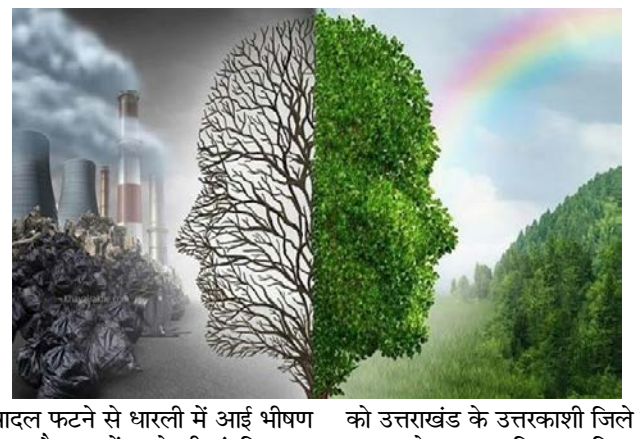

एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धारली में आई भीषण बाढ़ में 5948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, देवभूमि प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही उत्तरकाशी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता। एक समय उत्तराखंड के ऊंचे और हिमालयी क्षेत्र, विशेष रूप से समुद्र तल से 2000 मीटर से ऊपर के इलाके, देवदार के घने जंगलों से आच्छादित थे। प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 400 से 500 देवदार के पेड़ पाए जाते थे।

वन, जो प्राकृतिक ढलानों को स्थिर रखते हैं, उनकी कमी से जल निकासी बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होता है, जिससे आपदाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पेड़-पौधे मिट्टी को जकडक़र रखते हैं। जब पेड़ कटते हैं, तो मिट्टी ढीली पड़ जाती है और भारी बारिश के दौरान आसानी से बह जाती है, जिससे भूस्खलन और मलबा प्रवाह होता है, जैसा कि 2013 के केदारनाथ आपदा में देखा गया था। 5 अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में आई विनाशकारी आपदा ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति हिमालयी राज्य की दीर्घकालिक संवेदनशीलता को उजागर कर दिया था। इस त्रासदी में 66 लोग लापता हुए। पिछले एक दशक में राज्य में लगभग 18464 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गई जिनसे भारी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड का इतिहास कई बड़ी आपदाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में 768 लोगों की जान गई, उसके बाद 1998 के मालपा भूस्खलन (225 मौतें) और 1999 के चमोली भूकंप (100 मौतें) का नंबर आता है। साल 2013 की केदारनाथ बाढ़ सबसे विनाशकारी रही, जिसमें 5700 से अधिक लोगों की जान गई, जबकि 2021 की रेनी आपदा में मरने वालों की संख्या 206 रही। पिछले एक दशक में दर्ज की गई 18464 घटनाओं में से चौंका देने वाली 12758 घटनाएं भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ के कारण हुईं। भारत में 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार, 13000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा वन भूमि पर अतिक्रमण है, जो कि दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल क्षेत्रफल से भी ज्यादा है। मध्य प्रदेश और असम सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं, जहां लाखों हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भी बड़ी मात्रा में वन भूमि अतिक्रमित है, जिससे वन, वन्यजीव और पर्यावरण को गंभीर खतरा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा देश भर में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में जारी आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर सर्वाधिक अतिक्रमण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश और असम सबसे आगे हैं, जहां सबसे ज्यादा वन क्षेत्र पर अवैध कब्जे हैं। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे राज्य भी महत्वपूर्ण अतिक्रमण वाले राज्यों की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी एक रिपोर्ट में बताया था कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 1305668.1 हेक्टेयर (या 13056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अंतर्गत था। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर और दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं। इसके अलावा बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख ऐसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं जिन्होंने वन अतिक्रमण से संबंधित आंकड़े और विवरण प्रस्तुत नहीं किए। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की सरकारें पर्यावरण और वनों के विनाश को रोकने के लिए कितनी चिंतित हैं। यह मुद्दा राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं है। कारण साफ है इससे वोट नहीं मिलते, उल्टे वन भूमि पर अतिक्रमियों को हटाने से वोट बैंक का नुकसान होता है। यही वजह है कि सभी दल ऐसे मुद्दों पर चुप्पी साधे रहते हैं। इसके बावजूद कि पर्यावरण बिगडने से होने वाली तबाही की कीमत देश को हर साल भारी जान-माल से चुकानी पड़ती है।

-योगेंद्र योगी, स्वतंत्र लेखक

तारिक रहमान से मुलाकात और मोहम्मद यूनुस के तौबा... जयशंकर के दौरे से सुधरेंगे भारत-बांग्लादेश संबंध

एजेंसी ढाका

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए चार घंटे की यात्रा पर ढाका पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खालिदा जिया के बेटे और बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शोक संदेश भी सौंपा। उन्होने तारिक रहमान को उनकी मां और देश की पहली महिला पीएम खालिदा जिया के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर इस दौरे पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दो नेताओं के साथ बैठक की, लेकिन उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस के साथ मुलाकात नहीं की।

अपनी यात्रा के दौरान जयशंकर को बांग्लादेश के अंतरिम विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन के साथ हाथ मिलाते देखा गया। हालांकि यात्रा के दौरान इन दोनों शीर्ष राजनयिकों के बीच कोई औपचारिक बैठक नहीं हुई। हालांकि, बांग्लादेशी मीडिया के अनुसार, देश के कानून सलाहकार डॉ आसिफ नजरूल और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ खलीलुर रहमान ने ढाका के जातीय संसद भवन में विदेश मंत्री एस जयशंकर, पाकिस्तान नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक, नेपाल के विदेश मंत्री बाला नंदा शर्मा और भूटान के विदेश मंत्री डीएन धुंगयेल से मुलाकात की। अपनी यात्रा के बाद जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि बेगम खालिदा जिया की सोच और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास का मार्गदर्शन करेंगे।" भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्ला ने X पर पोस्ट में कहा कि जयशंकर ने खालिदा जिया के बांग्लादेश में लोकतंत्र में योगदान को स्वीकार किया। खास बात यह है कि जयशंकर ने 12 फरवरी को होने वाले आगामी संसदीय चुनाव (और राष्ट्रीय जनमत संग्रह) के माध्यम से लोकतांत्रिक बदलाव के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों को मजबूत करने के बारे में आशा व्यक्त किया। यह चुनाव अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेश में पहला राष्ट्रीय चुनाव होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खालिदा जिया के निधन पर शोक जताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, "बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री के तौर पर, बांग्लादेश के विकास के साथ-साथ भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुझे 2015 में ढाका में उनसे हुई अपनी गर्मजोशी भरी मुलाकात याद है। भारतीय पीएम ने कहा कि हमें उम्मीद है कि उनका विजन और विरासत हमारी साझेदारी को आगे भी गाइड करती रहेगी।"

शुक्रवार को विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने तारिक रहमान को भारत के समर्थन की बात कही। तारिक रहमान 17 साल के राजनीतिक निर्वासन के बाद पिछले हफ्ते ढाका लौटे थे। जायसवाल ने ब्रीफिंग में कहा, "जैसा कि आप जानते हैं, भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनावों का समर्थन करता है। इस घटनाक्रम को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।"

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली है। हालांकि, उनके राज में भारत-बांग्लादेश संबंध हद से ज्यादा खराब हुए हैं। उन्होंने एक के बाद एक कई भारत विरोधी फैसले लिए हैं। इतना ही नहीं, यूनुस सरकार ने पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ाई हैं, जिससे भारत की चिंता में इजाफा हुआ है। हालांकि, बांग्लादेश में आगामी फरवरी में चुनाव होना है। इस चुनाव में बीएनपी को आगे बताया जा रहा है। ऐसे में भारत को आशा है कि नई लोकतांत्रिक सरकार आने से भारत और बांग्लादेश के संबंध सुधरे हैं।

रक्षा मंत्रालय खुलासाः पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2025 में 791 ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं हुईं

एजेंसी नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2025 में ड्रोन घुसपैठ की कुल 791 घटनाएं दर्ज की गईं। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इनमें से ड्रोन घुसपैठ की नौ घटनाएं जम्मू और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर और 782 घटनाएं पंजाब तथा राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हुईं।

इसमें कहा गया, ''पश्चिमी मोर्चे पर अपने ''स्पूफर और जैमर'' का प्रभावी उपयोग ड्रोन के खतरे का काफी हद तक मुकाबला करने में कारगर साबित हुआ।''

मंत्रालय ने वर्ष के अंत में समीक्षा वक्तव्य में कहा कि इस अवधि के दौरान, भारतीय सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में 237 ड्रोन मार गिराए जिनमें विस्फोटक युक्त पांच ड्रोन, मादक पदार्थ से लदे 72 ड्रोन और बिना किसी वस्तु वाले 161 ड्रोन शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के अथक प्रयासों के कारण जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति ''पूरी तरह से नियंत्रण में'' है। इसमें कहा गया कि लोगों ने विकास का मार्ग चुना है और वे सरकार और सेना द्वारा संचालित सभी पहलों में बड़ी संख्या में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि 'पूरे देश' के दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप ''हिंसा के स्तर में कमी आई है, विरोध प्रदर्शन कम हुए हैं और पत्थरबाजी की कोई घटना नहीं हुई है''।

वार्षिक समीक्षा वक्तव्य में कहा गया, ''पाकिस्तान ने 2023-24 के दौरान पुंछ-राजौरी क्षेत्र को 'छद्म युद्ध के केंद्र' के रूप में सक्रिय करने का प्रयास किया। इसलिए, 2025 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था, जिसमें मजबूत घुसपैठ-विरोधी ग्रिड को बनाए रखना, आतंकवादियों को वहां से भागने पर मजबूर करना या निष्क्रिय करने के लिए मध्य और उच्च क्षेत्रों में निरंतर अभियान चलाना और विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाकर स्थानीय स्तर पर आतंकवादियों की भर्ती को कम करना शामिल था। इसमें कहा गया, ''2019 से भीतरी इलाकों में सुरक्षा स्थिति में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है।''

मंत्रालय ने कहा कि प्रशिक्षण शिविरों की कार्यशैली, लॉन्चिंग पैड पर आतंकवादियों की उपस्थिति और घुसपैठ के लगातार प्रयास पाकिस्तान के 'छद्म युद्ध की रणनीति को आगे बढ़ाने के दृढ़ इरादे' का सबूत देते हैं। इसमें कहा गया, ''पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। वह न केवल ड्रोन के जरिये हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए, बल्कि बड़ी संख्या में आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी सीमा का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।''

मंत्रालय ने कहा, ''मौजूदा परिचालन संबंधी चिंताओं'' को ध्यान में रखते हुए, ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणालियों, हथियार प्रणालियों, सटीक गोला-बारूद, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों, निगरानी प्रणालियों आदि के विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आपातकालीन खरीद के लिए मंजूरी दी गई है। वार्षिक समीक्षा वक्तव्य के मुताबिक, ''कुल 29 क्षमता विकास योजनाओं के लिए पहले ही अनुबंध किए जा चुके हैं।''

ड्रोन के निर्माण और गोला-बारूद उत्पादन में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के संबंध में मंत्रालय ने कहा कि ''515 आर्मी बेस कार्यशाला और चुनिंदा कोर जेड वर्कशॉप/ईएमई बटालियन ने आंतरिक विशेषज्ञता और विषय विशेषज्ञों के सहयोग से विश्वसनीय ड्रोन निर्माण क्षमता स्थापित की है''।

मंत्रालय ने कहा, ''ये सुविधाएं अत्याधुनिक हैं और ड्रोन की गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ईएमई इकाइयों द्वारा अब तक कुल 819 ड्रोन (निगरानी - 193, आत्मघाती/सशस्त्र/हथियारबंद - 337, पायलट द्वारा प्रत्यक्ष दृश्य - 289) निर्मित किए जा चुके हैं।

इससे पहले पिछले साल के आंकड़ो पर एक नजर डाली जाए तो सरकार ने लोकसभा को बताया कि 2014 से भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की सबसे ज़्यादा कोशिशें पकड़ी गईं, जिसमें 2024 तक 7,528 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर 425 मामले, भारत-म्यांमार सीमा पर 298 मामले और भारत-नेपाल और भूटान सीमाओं पर 157 घटनाएं हुईं। खास बात यह है कि इस दौरान भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का कोई मामला सामने नहीं आया।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में साल-दर-साल डेटा साझा किया, जिसमें भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर लगातार निगरानी और मॉनिटरिंग पर ज़ोर दिया गया। विस्तृत आंकड़े पेश करते हुए राय ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की कोशिशें 2024 में सबसे ज़्यादा 977 मामलों तक पहुंच गईं, जबकि भारत-पाकिस्तान में उसी साल 41 मामले दर्ज किए गए। भारत-म्यांमार में 37 घटनाएं और भारत-नेपाल और भूटान में 2024 में 23 मामले सामने आए। उन्होंने नवंबर 2025 तक महीनेवार डेटा भी दिया, जिसमें भारत-बांग्लादेश सीमा पर 1,104 मामले, भारत-पाकिस्तान पर 32, भारत-म्यांमार पर 95 और भारत-नेपाल और भूटान पर 54 मामले दिखाए गए। एक बार फिर, उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का कोई मामला सामने नहीं आया।

भारत ने जापान को दी पटखनी तो खुश हो गया चीन

एजेंसी बीजिंग

चीन ने भारत की जमकर तारीफ की है। यह दुर्लभ मौका 2025 के आखिरी दिन देखने को मिला है। चीनी दूतावास ने बयान जारी कर कहा है कि यह जानकर खुशी हुई है कि भारत, जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। चीन ने इसे सच्ची ताकत बताया और इतिहास का भी जिक्र किया। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, भारत की जीडीपी (GDP) वर्तमान में 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई है। ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने X पर लिखा, "यह जानकर खुशी हुई कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। भारत का उदय दिखाता है कि सच्ची ताकत इतिहास का ईमानदारी से सामना करने, उससे सीखने और भविष्य की ज़िम्मेदारी लेने से आती है।" आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगातार तिमाहियों में बढ़ी है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई जबकि खुदरा मुद्रास्फीति वर्ष के अंत तक भारतीय रिजर्व बैंक की निचली सीमा दो प्रतिशत से नीचे आ गई। सरकार राष्ट्रीय खातों के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर भी काम कर रही है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना पद्धति को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। वर्तमान में चीन और जापान में भारी तनाव है। दोनों देश दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में आमने-सामने हैं। एक दिन पहले ही चीन ने चेतावनी दी है कि अगर जापान ने ताइवान मुद्दे पर सैन्य शक्ति का इस्तेमाल किया तो उसे पलटवार के लिए तैयार रहना चाहिए। चीनी सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने भी जापानी नेताओं को धमकी दी थी। इससे पहले जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए बयान पर भी दोनों देशों में बड़ा राजनीतिक घमासान हुआ था।

जापान में नए साल की पूर्व संध्या पर आया शक्तिशाली भूकंप, 6.0 रही तीव्रता

एजेंसी टोक्यो

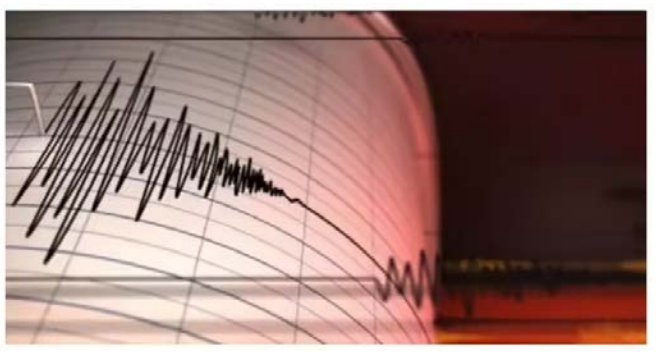

नए साल की पूर्व संध्या पर जापान के नोडा क्षेत्र में तट से दूर 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) ने इसकी जानकारी दी है। USGS ने बताया कि भूकंप समुद्र में आया था और तत्काल जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं थी। रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र 19.3 किमी की गहराई पर था। अधिकारी किसी भी असर के लिए स्थिति पर नजर रख रहे थे। यह भूकंप 8 दिसम्बर को समुद्र में आए 7.5 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ सप्ताह बाद आया है।

8 दिसम्बर को आए भूकंप में कम से कम 30 लोग घायल हो गए थे और लगभग 90000 लोगों को इलाका खाली करना पड़ा था। उस भूकंप के बाद जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने देश के उत्तर पूर्वी तट पर 3 मीटर तक की सुनामी की चेतावनी दी थी। होक्काइडो, आओमोरी और इवाते प्रांतों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। कई बंदरगाहों पर 20 से 70 सेंटीमीटर तक लहरें रिकॉर्ड की गईं।

जापान भूकंप के लिए सबसे संवेदनशील देशों में से एक है, जहां हर पांच मिनट में कम से कम एक झटका आता है। जापान ज्वालामुखियों और समुद्री खाइयों के रिंग ऑफ फायर में स्थित है जो प्रशांत बेसिन को आंशिक रूप से घेरे हुए हैं। दुनिया में 6.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के आने वाले भूकंपों में लगभग 20% अकेले जापान में आते हैं।

जापान ने 11 मार्च 2011 को देश के सबसे घातक भूकंपों में से एक का सामना किया। उस दौरान उत्तरी शहर सेंडाई के तट से दूर समुद्र के नीचे 9.0 तीव्रता का भूकंप आया था, जो जापान में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इसने एक बड़ी सुनामी को पैदा किया जिसने प्रशांत तटरेखा के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया। भूकंप के बाद आई सुनामी ने जापान में लगभग 20000 लोगों की जान ले ली।

विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक और मध्य प्रदेश का विजयी अभियान जारी

एजेंसी नई दिल्ली

गत चैंपियन कर्नाटक ने बुधवार को यहां ग्रुप ए मैच में पुडुचेरी को 67 रन से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा। कर्नाटक ने कप्तान मयंक अग्रवाल (132 रन, 124 गेंद, 15 चौके, दो छक्के) और देवदत्त पडिक्कल (113 रन, 116 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) के शतक और दोनों के बीच पहले विकेट की 228 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 363 रन बनाए।

करुण नायर ने भी 34 गेंद में 62 रन की नाबाद पारी खेली। इसके जवाब में पुडुचेरी की टीम श्याम कंगायान (68) और जयंत यादव (54) के अर्धशतकों के बावजूद 50 ओवर में 296 रन पर आउट हो गई।

झारखंड ने शुभम कुमार सिंह के 53 रन पर चार विकेट के बाद सलामी बल्लेबाज उत्कर्ष सिंह की 120 गेंद में नाबाद 123 रन की पारी से तमिलनाडु को नौ विकेट से हरा दिया। झारखंड ने शुभम और सुशांत मिश्रा (51 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी से तमिलनाडु को 45 ओवर में 243 रन पर ढेर कर दिया।

तमिलनाडु की ओर से प्रदोष रंजन पॉल (49) और बाबा इंद्रजीत (48) ने उपयोगी पारियां खेलीं। झारखंड ने इसके जवाब में उत्कर्ष और शिखर मोहन (90) के बीच पहले विकेट की 201 रन की साझेदारी से 41 ओवर में एक विकेट पर 244 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर (44 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के बाद यश दुबे (105) के शतक से मध्य प्रदेश को त्रिपुरा पर चार विकेट की जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए त्रिपुरा ने विजय शंकर (91) और श्रीदम पॉल (52) के अर्धशतक से सात विकेट पर 286 रन बनाए। मध्य प्रदेश ने इसके जवाब में दुबे के शतक और शुभम शर्मा की 75 गेंद में 71 रन की पारी से 44 ओवर में छह विकेट पर 287 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मध्य प्रदेश और कर्नाटक दोनों के चार मैच में चार जीत से 16-16 अंक हैं। मध्य प्रदेश की टीम हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है। केरल ने बड़े स्कोर वाले मैच में राजस्थान को दो विकेट से हराया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए करण लांबा (नाबाद 119) के शतक और दीपक हुड्डा (86) के अर्धशतक से सात विकेट पर 343 रन बनाए।

केरल ने इसके जवाब में बाबा अपराजित की 126 रन की पारी और कृष्णा प्रसाद (53) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 155 रन की साझेदारी से अंतिम गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज की। ईडन ऐप्पल टॉम ने अंत में 18 गेंद में नाबाद 40 रन की शानदार पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

श्रीलंका का सूपड़ा साफ! भारत ने 5-0 से सीरीज जीती, दीप्ति शर्मा का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

एजेंसी तिरुवनंतपुरम

तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित कर दिया। भारत ने श्रीलंका को पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में 15 रन से हराकर सीरीज पर 5–0 से क्लीन स्वीप किया है। इस मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत कौर की जिम्मेदार पारी और गेंदबाजों के सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को जीत दिलाई है।

बता दें कि यह मुकाबला 30 दिसंबर को खेला गया, जहां भारत पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बना सका। शुरुआत भारत के लिए आसान नहीं रही और शीर्ष क्रम जल्दी बिखर गया था। शैफाली वर्मा सस्ते में आउट हो गईं, वहीं ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भी बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। ऐसे में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मोर्चा संभाला और 43 गेंदों में 68 रन की संयमित लेकिन प्रभावशाली पारी खेली। अंतिम ओवरों में अरुंधति रेड्डी ने 11 गेंदों में 27 रन जोड़कर स्कोर को सम्मानजनक स्तर तक पहुंचाया।

श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहरी ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके, जबकि चमारी अथापथु और रश्मिका सेव्वंडी को भी दो-दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत लड़खड़ाई, कप्तान चमारी अथापथु सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गईं। हालांकि इसके बाद हसिनी परेरा और इमेशा दुलानी ने पारी संभाली और दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़े। परेरा ने 42 गेंदों पर 65 रन बनाए जबकि दुलानी ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। इसके बावजूद रन रेट धीरे-धीरे बढ़ता चला गया।

गौरतलब है कि 12वें ओवर में अमनजोत कौर ने दुलानी को आउट कर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

इसके बाद श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई और टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में दीप्ति शर्मा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की। उन्होंने निलाक्षिका सिल्वा को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना 152वां टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिया और इस तरह वह महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट का रिकॉर्ड तोड़ा। दीप्ति के अलावा भारत के सभी गेंदबाजों ने कम से कम एक विकेट लिया, जिससे श्रीलंका पर लगातार दबाव बना रहा।

मौजूद जानकारी के अनुसार, यह भारत का महिला टी20 में छठा 5–0 क्लीन स्वीप है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि 2025 का साल टीम के लिए बेहद खास रहा है और वनडे वर्ल्ड कप के बाद टीम ने टी20 फॉर्मेट में भी आत्मविश्वास के साथ खुद को ढाला है।

सरफराज के 157 रन, मुंबई ने गोवा को 87 रन से हराया

एजेंसी नई दिल्ली

सरफराज खान ने बुधवार को यहां 75 गेंद में 14 छक्कों की मदद से 157 रन की विस्फोटक पारी खेलकर 2025 का अंत शानदार अंदाज में किया जिसकी बदौलत मुंबई की टीम विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में गोवा को 87 रन से हराकर नॉकआउट चरण के करीब पहुंच गई। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शानदार फॉर्म में रहे सरफराज ने 56 गेंद में शतक पूरा किया जो उनका लिस्ट ए क्रिकेट में तीसरा शतक था। मुंबई ने इसकी मदद से आठ विकेट पर 444 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर गोवा को नौ विकेट पर 357 रन पर रोक दिया। यह ग्रुप लीग में मुंबई की लगातार चौथी जीत है। अब बचे हुए तीन मैच में से एक और जीत उसे निश्चित रूप से क्वार्टर-फाइनल में पहुंचा देगी।

यशस्वी जायसवाल (46) ने 'गैस्ट्राइटिस' के कारण राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप के शुरुआती सप्ताह से बाहर रहने के बाद वापसी की और इसी दिन सरफराज पूरी तरह छाए रहे। उन्होंने गोवा के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए अपनी पारी के दौरान नौ चौके और 14 छक्के लगाए। सरफराज के 14 छक्कों में से 10 ऑफ स्पिनर ललित यादव (93 रन देकर दो विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर दर्शन मिसाल (98 रन देकर तीन विकेट) के खिलाफ लगे। सरफराज ने ललित पर चार और मिसाल पर छह छक्के जड़े। महान सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की गेंदों को भी नहीं बख्शा गया जिससे उनके आठ ओवर में 78 रन बने। सरफराज 42वें ओवर में आउट हुए और लिस्ट ए क्रिकेट में अपना पहला दोहरा शतक लगाने से चूक गए। इसके बावजूद मुंबई ने रन गति कम नहीं होने दी और अंतिम आठ ओवरों में 100 से अधिक रन बनाए। मुशीर खान (60 रन), विकेटकीपर हार्दिक तामोरे (53 रन), शम्स मुलानी (22 रन), तनुष कोटियन (नाबाद 23 रन) और कप्तान शार्दुल ठाकुर (27 रन) ने भी तेज बल्लेबाजी की जिससे विजेता टीम ने कुल 35 चौके और 25 छक्के लगाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा कभी भी मुकाबले में नहीं दिखी। हालांकि ललित यादव (64), अभिनव तेजराणा (100) और दीपराज गायकवाड़ (70) ने मध्य ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी की। लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा था कि उनकी पारी नाकाफी रही। कप्तान शार्दुल ठाकुर ने सपाट पिच पर एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित करते हुए छह ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं लेग-ब्रेक गेंदबाजी कर रहे यशस्वी जायसवाल ने तीन ओवर में 52 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

व्यापार

आरबीआई कर्मचारी नियामकीय संतुलन बनाए रखें, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाएं

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को केंद्रीय बैंक के कर्मचारियों से नए साल में नियामकीय संतुलन बनाए रखने और निगरानी व्यवस्था को और सख्त करने का आह्वान किया।

मल्होत्रा ने कर्मचारियों को भेजे अपने वार्षिक संदेश में कहा कि ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और वित्तीय समावेश आरबीआई के कामकाज के केंद्र में बने रहने चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें मौद्रिक नीति के ढांचे को मजबूत करने, निगरानी को तेज करने, नियमों को परिस्थितियों के अनुरूप ढालने, वित्तीय बाजारों को विस्तार देने और भुगतान एवं मुद्रा प्रबंधन में सुधार पर ध्यान देना होगा।

आरबीआई गवर्नर ने कर्मचारियों से अपने ज्ञान को लगातार बढ़ाने, विश्लेषण क्षमता को मजबूत करने, प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते आर्थिक एवं वित्तीय परिदृश्य, प्रौद्योगिकी में बदलाव, वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम और बढ़ती जन-अपेक्षाओं के बीच रिजर्व बैंक की जिम्मेदारियां आने वाले समय में और बढ़ेंगी।

मल्होत्रा ने कहा, रिजर्व बैंक को हमेशा अपने लोगों से असली ताकत मिली है और हमारा विश्वास है कि उनका काम भले ही प्रत्यक्ष रूप से दिखाई न दे, लेकिन देश के लिए इसका महत्व गहरा है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ-साथ ईमानदारी, स्वतंत्रता, दक्षता, विनम्रता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता जैसे संस्थागत मूल्यों को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

भारत ने तोड़ा जापान का रिकॉर्ड: $4.18 ट्रिलियन की इकॉनमी संग बना दुनिया का चौथा सुपरपावर!

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था ने एक बड़ा वैश्विक मुकाम हासिल कर लिया है। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। भारत की अर्थव्यवस्था अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच चुकी है और मौजूदा रफ्तार बनी रही तो 2030 तक जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने की पूरी संभावना जताई जा रही है। बता दें कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो पिछली तिमाही के 7.8 प्रतिशत और उससे पहले की तिमाही के 7.4 प्रतिशत से अधिक है। सरकार के मुताबिक, इस मजबूत प्रदर्शन के साथ भारत फिलहाल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, अमेरिका इस समय दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि चीन दूसरे स्थान पर बना हुआ है। भारत अब जापान को पीछे छोड़कर चौथे पायदान पर पहुंच चुका है और अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को पछाड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2030 तक भारत की जीडीपी 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है।

सरकार ने अपने बयान में कहा है कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक गति लगातार मजबूत बनी हुई है। घरेलू मांग, खासकर निजी खपत में मजबूती, इस विकास की बड़ी वजह रही है। दूसरी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी ने यह संकेत दिया है कि भारत की अर्थव्यवस्था अंदरूनी मजबूती के सहारे आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भी भारत के विकास को लेकर सकारात्मक अनुमान लगाए हैं। विश्व बैंक ने 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत आंकी है। मूडीज के अनुसार भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। वहीं आईएमएफ ने 2025 के लिए 6.6 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। ओईसीडी, एसएंडपी, एडीबी और फिच जैसी संस्थाओं ने भी भारत की ग्रोथ को लेकर भरोसा जताया है।

सरकार का कहना है कि महंगाई फिलहाल तय सीमा के भीतर बनी हुई है, बेरोजगारी में गिरावट आई है और निर्यात प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही बैंकिंग और वित्तीय सिस्टम में तरलता बनी हुई है, जिससे कारोबारी गतिविधियों को समर्थन मिल रहा है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आर्थिक सुधारों, निवेश और सामाजिक विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। मौजूदा रुझान इस बात का संकेत देते हैं कि भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक ताकत के रूप में और मजबूत होकर उभरेगा।

खुदरा कर्ज में चूक का बड़ा हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का निजी बैंक आगे: आरबीआई

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि क्रेडिट कार्ड और व्यक्तिगत ऋण जैसे असुरक्षित माने जाने वाले कर्जों के पुनर्भुगतान में चूक अब कुल खुदरा कर्ज पुनर्भुगतान चूक का आधा से अधिक हो चुकी है।

आरबीआई की छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंकों में इस तरह के असुरक्षित कर्जों में दबाव सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तुलना में अधिक देखा जा रहा है। हालांकि, समग्र स्तर पर बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 1.8 प्रतिशत पर बना हुआ है जो कुल खुदरा कर्जों के 1.1 प्रतिशत एनपीए अनुपात के मुकाबले अभी भी स्थिर माना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, असुरक्षित खुदरा कर्जों में चूक के मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल खुदरा कर्ज चूक का 53.1 प्रतिशत रहे। वहीं बैंक समूहों के बीच, निजी बैंकों की हिस्सेदारी इसमें सबसे अधिक रही। आरबीआई ने कहा कि निजी बैंकों के कुल कर्ज भुगतान चूक में 76 प्रतिशत हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का रहा, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह हिस्सेदारी सिर्फ 15.9 प्रतिशत रही।

केंद्रीय बैंक ने इस क्षेत्र में वित्तीय-प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों की भूमिका का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जिन उधारकर्ताओं ने पांच या उससे अधिक संस्थानों से बिना गारंटी वाले कर्ज ले रखे हैं, उनमें कर्ज चुकाने में कमजोरी ज्यादा पाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, फिनटेक कंपनियों के कुल कर्ज पोर्टफोलियो में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बिना गारंटी वाले कर्ज का है और इनमें से आधे से अधिक कर्ज 35 वर्ष से कम उम्र के कर्जदारों को दिए गए हैं। सितंबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच फिनटेक कंपनियों के कर्ज में 36.1 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें व्यक्तिगत कर्ज का हिस्सा सबसे अधिक रहा। आरबीआई ने कहा कि बैंकों के स्तर पर बिना गारंटी वाले खुदरा कर्ज में वृद्धि के संकेत दोबारा दिखने लगे हैं जबकि बड़ी कंपनियों को दिया जाने वाला कर्ज अभी भी सुस्त बना हुआ है।

नारद मुनि का अभिमान चूर! भगवान विष्णु की लीला से बने कुरूप, शिवगणों ने उड़ाया था मज़ाक

श्रीहरि के वचनों से अति उत्साहित नारद मुनि अपनी ही दुनिया में मस्त हो गये। भले ही उनके समक्ष साक्षात नारायण सुशोभित थे। किंतु मुनि के मस्तिष्क पर तो विश्वमोहिनी का शासन हो चुका था। अज्ञानी लोग जैसे आदि शक्ति को प्रसन्न करने के लिए, बकरे की बलि देते हैं, ठीक वैसे ही, नारद मुनि विष्णु भगवान को एक बलि के बकरे से अधिक कुछ नहीं मान रहे थे। काम साधने के लिए राम का प्रयोग कर रहे थे। अभी तो श्रीहरि ने अपने शब्द पूर्ण भी नहीं किए थे। नारद मुनि पहले ही आश्वस्त हो गये, कि लो विश्वमोहिनी तो अब अपनी हुई। क्योंकि श्रीहरि के अगले वचन थे-

'कुपथ माग रुज ब्याकुल रोगी।
बैद न देइ सुनहु मुनि जोगी।।
एहि बिधि हित तुम्हार मैं ठयऊ।
कहि अस अंतरहित प्रभु भयऊ।।'

अर्थात हे मुनि! सुनिए, रोग से व्याकुल रोगी अगर कुपथ माँगे तो वैद्य थाली में परोस कर उसे नहीं दे देता। ठीक इसी प्रकार मैंने भी तुम्हारा हित करने की ठान ली है। यह वचन कहकर भगवान विष्णु अंर्तध्यान हो गये।

भगवान का संदेश स्पष्ट था, कि मैं तुम्हें इस काम के दलदल में फँसने की आज्ञा नहीं दे सकता। खाँसी हो रखी हो, और रोगी कहे कि मुझे खट्टा खाना है, तो कोई भी हित चाहने वाला वैद्य उसे ऐसा कुपथ नहीं देगा। अगर कोई वैद्य ऐसा करता है, तो निश्चित ही वह वैद्य नहीं, अपितु उसका शत्रु है।

नारद मुनि को इससे अधिक भला और कैसे समझाया जा सकता था। संसार में बुद्धिहीन से बुद्धिहीन प्राणी भी यह भाषा समझ सकता था। किंतु महान विवेकी व ज्ञानी रहे नारद मुनि, बिलकुल भी न पढ़ पाये, कि श्रीहरि क्या कहना चाह रहे हैं। कारण कि माया का प्रभाव ही ऐसा है।

'माया बिबस भए मुनि मूढ़ा।
समुझी नहिं हरि गिरा निगूढ़ा।।
गवने तुरत तहाँ रिषिराई।
जहाँ स्वयंबर भूमि बनाई।।'

प्रभु की ओर से पूर्णतः आश्वस्त होकर नारद मुनि वहाँ जा बैठे, जहाँ देश विदेश से आये राजा स्वयंवर हेतु बैठे थे। एक से एक सुंदर वेष वाले राजा अपने अपने आसनों पर भास्कर की भाँति प्रतीत हो रहे थे। किंतु नारद मुनि मन ही मन प्रसन्न हो रहे थे, कि सबसे सुंदर तो मैं ही हुँ। मेरा मुकाबला भला कौन कर सकता है? बेचारे राजा अपना समय व सम्मान खोने को ही यहाँ बैठे हैं। एक बार विश्वमोहिनी की दृष्टि मुझ पर पड़ने की देर है, फिर तो वह अपलक मुझे ही देखती रहेगी, और झट मेरे गले में वरमाला डाल देगी।

किंतु भगवान विष्णु की तो कोई और ही लीला चल रही थी। क्योंकि उन्होंने नारद मुनि को सबसे सुंदर नहीं, अपितु सबसे कुरुप बना दिया था। हालाँकि अन्य लोगों को नारद मुनि कुरुप नहीं, अपितु संत ही प्रतीत हो रहे थे। और किसी अन्य को यह पता नहीं था, कि नारद मुनि को प्रभु ने कुरुप बना दिया है।

किंतु तब भी उस सभा में शिवजी के दो गण ऐसे भी थे, जो यह रहस्य जानते थे। वे प्रभु की सारी लीला घूम घूम कर देख रहे थे। वे स्वभाव से बड़े विनोदी व मौजी थे। इधर नारद मुनि जी तो अभिमान में चूर ही थे, कि मेरे से अधिक सुंदर तो कोई और है ही नहीं, भला मेरा हृदय धक धक क्यों करे। शिवगण भी विनोदी भाव में मुनि के दाएँ-बाएँ आसनों पर बैठ गए। शिवगण क्योंकि ब्राह्मण वेश में थे, तो उन्हें कोई पहचान नहीं पाया। वे बार बार नारद मुनि को देख कर कहते, कि भगवान ने इनको अच्छी सुंदरता दी है। राजकुमारी जी इन्हें देखते ही रीझ जायेंगी। कारण कि इनकी सुरत 'हरि' से जो मिलती है-

'करहिं कूटि नारदहि सुनाई।? नीकि दीन्हि हरि सुंदरताई।।
रीझिहि राजकुअँरि छबि देखी।
इन्हहि बरिहि हरि जानि बिसेषी।।'

शिवगण जैसे ही कहते, कि मुनि तो हरि रुप हैं, तो इसका तात्पर्य भगवान विष्णु से नहीं था। अपितु यहाँ हरि से तात्पर्य वानर था। संस्कृत में कई शब्दों के अर्थ दो या और भी अधिक होते हैं। हरि का अर्थ भगवान विष्णु भी है, और हरि का अर्थ वानर भी होता है। भगवान विष्णु ने नारद मुनि को वानर का रुप दे दिया था। जो केवल शिवगणों को और श्रीहरि को ही दिखाई दे रहा था।

किंतु अब विश्वमोहिनी स्वयंवर में प्रवेश कर रही थी। उसके हाथों में सुंदर वरमाला थी। किंतु क्या वह नारद मुनि के इस हरि रुप को देख पाई? क्या नारद मुनि विश्वमोहिनी को सुंदर वाले हरि रुप में दिखे, या कुरुप वाले हरि रुप में। जानेंगे अगले अंक में।

हथेली की बनावट के राज... ऐसी हथेली वाले लोग होते हैं दृढ़ निश्चयी, जीवन में पाते हैं बड़ी सफलता

हर व्यक्ति के हाथ की बनावट अलग-अलग होती है। हस्तरेखा शास्त्र में इसका खास महत्व बताया गया है। साथ ही, अपनी हथेली की बनावट, लंबाई, चौड़ाई देखकर हम अपने जीवन और स्वभाव के बारे में भी काफी कुछ जान सकते हैं। उंगली की जड़ से मणिबंध तक हथेली की लंबाई होती है। वहीं, अंगूठे की जड़ से लेकर दूसरे अंतिम सिरे तक हथेली की चौड़ाई होती है। इस स्थान पर कई प्रकार के चिन्ह, बनावट आदि होती है। जिसे देखकर किसी व्यक्ति के बारे में कई राज जान सकते हैं। इनमें से कुछ हथेली वालों को बहुत दृढ़ निश्चयी और धनवान माना जाता है। वहीं, कुछ प्रकार की हथेली की बनावट जीवन में बाधाओं का संकेत भी देती है। तो आइए विस्तार से जानें हथेली की बनावट हमें हमारे जीवन के बारे में क्या-क्या बताती है।

चौड़ी हथेली- अगर किसी व्यक्ति की हथेली चौड़ी हो तो ऐसे लोगों को बहुत दृढ़ निश्चयी माना जाता है। साथ ही, ये लोग मजबूत दिल वाले होते हैं और एक बार अगर ये कुछ करने की ठान लें तो उस काम को पूरा करके ही मानते हैं। इनके कहने और करने में ज्यादा अंतर नहीं होता है। ऐसे में चौड़ी हथेली वाले लोगों पर विश्वास किया जा सकता है क्योंकि अगर एक बार ये कुछ बोल दें, तो अपनी बात से कभी भी पीछे नहीं हटते हैं।

समचौरस हथेली- हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लोगों की हथेली समचौरस यानी जिसकी लंबाई और चौड़ाई एक समान हो। इस प्रकार के लोगों का स्वभाव बहुत अच्छा होता है। ये लोग शांत, स्वस्थ, और दृढ़ निश्चयी होते हैं। जीवन में अपनी मेहनत और प्रयासों से ही ये उन्नति प्राप्त करते हैं या बड़े मुकाम पर पहुंचते हैं। ये लोग आत्मविश्वासी होते हैं और जीवन में मेहनत से बड़ी सफलता पाते हैं। ये उन्हीं कार्यों को करने के लिए आगे बढ़ते हैं जिसमें इन्हें सफलता दिखाई देती हो। अपने काम को सफल बनाने तक ये आराम तक नहीं करते हैं।

संकड़ी हथेली- ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों की हथेली संकड़ी होती है वे केवल अपनी सफलता और जीवन पर ध्यान देते हैं। ये अपने हित के बारे में सोचने वाले होते हैं, जिसके चलते इन्हें आसपास के लोगों के विचार या बातों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, संकड़ी हथेली वाले लोग जिस भी क्षेत्र में हों वहां पहले अपना हित देखते हैं तभी कोई भी काम करना शुरू करते हैं। यही कारण है कि इन पर आसानी से विश्वास करना अन्य लोगों को थोड़ा मुश्किल लग सकता है।

नरम हथेली- हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, नरम हथेली वाले लोग स्वभाव से बहुत कोमल होते हैं और कल्पनाशील भी होते हैं। ये लोग इसी प्रकार का अपना जीवन व्यतीत करते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस प्रकार के हाथ स्त्रियों के अधिक देखे जाते हैं, जिन्हें भाग्यशाली माना गया है। वहीं, अगर पुरुषों की हथेली ऐसी हो तो उनके अंदर विशेष गुण हो सकते हैं।

सख्त हथेली- जिन लोगों की हथेली सख्त होती है उनका जीवन भी कुछ इसी प्रकार का होता है। सख्त हथेली दर्शाती है कि ऐसे लोगों का जीवन उतार-चढ़ाव से भरा हो सकता है। वहीं, अगर किसी व्यक्ति के हाथ अत्यधिक सख्त हों तो ऐसे लोग अपने काम को सबसे अधिक महत्व होता है। साथ ही, जीवन में कोई भी बाधा आने पर ये लोग निराश नहीं होते हैं और डटकर उसका सामना करते हैं।

लाल हथेली- हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, लाल हथेली वाले स्वभाव से थोड़े गुस्सैल हो सकते हैं। इन्हें जल्दी किसी व्यक्ति पर भरोसा नहीं होता है और इन्हें छोटी-छोटी बातों पर क्रोध भी जल्दी आ सकता है। ऐसे में ये लोग एकांत में समय बिताना ज्यादा पसंद करते हैं और जल्दी किसी पर विश्वास नहीं करते हैं। वहीं, अगर किसी की हथेली अत्यधिक लाल हो तो ऐसे लोग अपने हित के बारे में पहले सोचने वाले होते हैं। इनके मित्रों की संख्या भी अधिक नहीं होती है।

गुलाबी हथेली- जिन लोगों की हथेली गुलाबी रंग की होती है वे स्वभाव के बहुत अच्छे होते हैं। साथ ही, ये लोग स्वस्थ और उन्नति विचारों वाले होते हैं। इनके रहने के तरीके में शालीनता नजर आती है और ये लोग संतुलित मस्तिष्क वाले होते हैं। ऐसे लोग जीवन में अपनी मेहनत और प्रयास से सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग साधारण जीवन से निकलकर अत्यंत ऊंचे मुकाम पर पहुंचने में भी सक्षम होते हैं।

आर्थिक राशिफल : 1 जनवरी 2026: साल के पहले दिन मेष, सिंह सहित कई राशियों की चमकेगी किस्मत, होगा भारी धन लाभ

मेष राशि के जातकों को साल के पहला दिन कई शुभ समाचार प्राप्त होंगे। हालांकि, आज आपको न चाहते हुए भी कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है जो दूसरों के लिए असुविधाजनक होगा। वहीं, घर के सदस्य या फिर सन्तान के व्यवहार से आप अप्रसन्न रहेंगे। कानूनी विवाद में सफलता मिलने से आर्थिक लाभ होगा। स्थान परिवर्तन की योजना भी आपकी सफल हो सकती है।

वृष राशि वालों को साल के पहले दिन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। दोपहर तक भाग्य का साथ मिलने से कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है। सायंकाल के समय किसी पुराने चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन से प्रसन्नता होगी।। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि - आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसके बल पर आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। लोग आपके प्रति सकारात्मक भावनाएं रखेंगे और आपका समर्थन करेंगे। दोपहर तक आर्थिक संकोच भी खत्म होंगे। परन्तु कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है। ऐसे में आपको बोलते समय सावधान रहना होगा।

कर्क राशि - साल का पहला दिन आपके लिए थोड़ा परेशानी भरा रहने वाला है। सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या भी हो। दिन के पहले हिस्से में स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहतर रहेगा। उसके बाद आप अपने जरूरी कामकाज निपटा सकते हैं।

सिंह राशि - सिंह राशि के लिए साल का पहले दिन बेहद ही शुभ रहने वाला है। व्यापार, नौकरी और पारिवारिक जीवन में आपका सब कुछ ठीक ठाक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के सहयोग से नौकरी में भी आपकी स्थिति पहले से अधिक मजबूत दिख रही है।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातकों का दिन भलाई के कार्यों में गुजरने वाला है। आप जब अच्छे मूड में रहते है तो अपने चहेतों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होता दिख रहा है। ध्यान रहे की जो सही पात्र हो उसकी ही मदद करें। मित्रों से चर्चा भी हो सकती है होगी।

तुला राशि - तुला राशि वालों को आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए आपको तैयार रहना होगा। अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई डील या लिखा पढ़ी करना चाहते हैं तो दिन के समय कही कर डालें। बाकी अन्य कामों के लिए भी दोपहर तक अच्छा समय रहेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के लोगों के लिए साल का पहला दिन मिश्रित फलदायक रहने वाला है। आज कुछ काम आपकी सोच के विपरीत भी हो सकते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वही आपको धोखा दे जाएगा। ऐसी ही कुछ घटनाओं से आपका सामना हो सकता है। कुछ काम समय पर पूरे होने पर आर्थिक लाभ भी होगा। कुछ अच्छे समाचार मिलने से निराशा दूर होगी।

धनु राशि - धनु राशि के जातकों को अच्छा समाचार सुनने को मिलेगा। कई दिनों से आप किसी छोटे-मोटे काम के बिगड़ जाने से परेशान हैं। लेकिन आज काम में सुधार हो ने से आपको अच्छा महसूस होगा। फिर भी किसी व्यर्थ की डर या आशंक से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं।

मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए साल का पहला दिन बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे लोगों से मेल मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। परिजनों की तरफ से भी अच्छी खबर मिलेगी और किसी धार्मिक कार्य के लिए योजना बनाते वक्त आपकी सलाह ली जाएगी।

कुंभ राशि - इस समय अपने कार्यक्षेत्र में आने जाने और सभी कार्यों को समय पर निबटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिन्ता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम प्रणय के जाल में उलझे हैं तो उसका फैसला भी जल्दी करें। दिन के अंत तक सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मीन राशि - दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर लेना। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावट पैदा होगी और उसका मानसिक अवसाद शाम तक बना रहेगा। मित्रों का सहयोग लेना जरूरी होगा।

जीवन की हर कठिनाई का अंत है निश्चित, ग्रहों की अशुभ दशा भी शुभ काल में परिवर्तित होजाती है

2026 प्रारम्भ होने वाला है, वर्तमान कर्म भविष्य को बदलने की शक्ति रखता है। अशुभ समय दण्ड नहीं, चेतावनी और जीवन में शिक्षक की भांति शिक्षा देकर जाता है। 2025 के दुःखों को भूलकर 2026 में अपने भविष्य का विस्तार करें। समय, ग्रह और कर्म, तीनों मिलकर मनुष्य को गढ़ने का कार्य करते हैं। अशुभ समय जीवन का शत्रु नहीं है, वह तो एक कठोर गुरु है, जो बिना दुलार किए सत्य सिखाता है। जो व्यक्ति इस काल में धैर्य, सत्य और कर्मशीलता को नहीं छोड़ता, उसके लिए यही काल भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। भारतीय ज्योतिष शास्त्र में समय एवं जीवन में शुभाशुभ घटनाऐं गोचर और दशा के रूप में परिभाषित होती हैं। दशा का अभिप्राय है जीवन में चलती हुई शुभाशुभ अवस्था। अशुभ कही जाने वाली ग्रहदशाएं दरअसल कर्मों के अधूरे अध्यायों को पूर्ण करने का अवसर प्रदान करती हैं। वे जीवन में वह दिखाती हैं, जिसे मनुष्य टालता रहा है, इसलिए कठिन दशाएं दंड नहीं, चेतावनी होती हैं।

मनुष्य जब कठिन समय से गुजरता है, तो उसे लगता है मानो पूरा जीवन ही अंधकार में डूब गया हो। समस्याएं एक साथ

आती प्रतीत होती हैं और मन यह मान बैठता है कि अब कोई रास्ता शेष नहीं रहा, पर यदि गहराई से देखा जाए, तो जीवन का कोई भी संकट स्वयं में अंतिम नहीं होता। वह केवल एक चरण होता है, जो व्यक्ति को तोड़ने नहीं, बल्कि गढ़ने के लिए आता है। अक्सर लोग कहते हैं, मेरी जन्मकुंडली खराब है, पर वास्तव में जन्मकुंडली उतनी नहीं बिगाड़ती, जितना निराश व्यक्ति का मन रहता है। शनि की दशा हो या राहु-केतु की छाया, यदि व्यक्ति सत्य, परिश्रम, संयम, विवेक को नहीं छोड़ता, तो वही ग्रह अंततः उसे परिपक्वता और स्थिरता प्रदान करते हैं, ज्योतिष शास्त्र का उद्देश्य समय के साथ व्यक्ति को सामंजस्य सिखाना है। जैसे अशुभ ग्रह-दशा भी अपने समय पर शुभ काल में परिवर्तित होती है, वैसे ही जीवन की हर कठिनाई का अंत भी निश्चित है। जो व्यक्ति इस सत्य को स्वीकार कर लेता है, वह अंधेरे में भी दिशा देख लेता है, उसके लिए संकट रुकावट नहीं, होती। जिस दिन मन यह मान ले कि अंधेरा स्थायी नहीं है, उसी दिन समस्या की आधी शक्ति समाप्त हो जाती है। अंधेरा चाहे जितना गहरा हो, वह सूर्य को उदय होने से रोक नहीं सकता।

दर्शन रोड लाइन प्राइवेट लिमिटेड एमपीआरडीसी के लोगों ने किया सहयोग

एक माह दो दिन बाद निकाल 15 करोड़ का ट्रांसफॉर्मर पांढरा टोल प्लाजा से

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

एक महा दो दिन के बाद पाढरा टोल प्लाजा पर खड़े 145.5 टन के ट्रांसफॉर्म को एप्रोच मार्ग से सुरक्षित बुधवार को 11 बजे निकलने का काम किया गया है। इस अवसर पर दर्शन रोड लाइंस कंपनी,मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड,मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी के अलावा दिलीप बिल्डकॉन कंपनी के इंजीनियर उपस्थित रहे। बताया जाता है कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद से मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की सारनी के लिए 145.5 टन का ट्रांसफॉर्म 22 नवंबर को निकाला और 29 नवंबर को पांढरा के टोल प्लाजा पर आकर रुक एक माह से दो दिनों तक 145.5 टन के वजन के साथ यह ट्राला खड़ा है। बताया जाता है कि औरंगाबाद से सारनी पहुंचने के लिए दर्शन रोड लाइंस प्राइवेट लिमिटेड मुंबई,महाराष्ट्र में स्थित एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट कंपनी है,जो 1972 से संचालन में है और भारी माल ढुलाई,प्रदर्शनी कार्गो और अन्य विशेष लॉजिस्टिक्स सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है। उसके वाहन को एक माह से पाढरा टोल प्लाजा के समक्ष खड़ा किया गया है। बताया जाता है कि घोड़ाडोगरी से लेकर सारनी के बीच में जितनी भी पुलिया पड़ती है उसकी डिजाइन 70 से 100 टन के वजन को सहने के हिसाब से तैयार किया गया है,लेकिन इस ट्रांसफॉर्म और ट्राले का वजन निर्धारित डिजाइन की पुलिया से 75.5 टन अधिक होने और मध्यप्रदेश सड़क डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से इस वाहन को यहां से आगे जाने की अनुमति न दिए जाने के कारण यह 15 करोड़ का ट्रांसफॉर्म पिछले एक माह से पांढरा टोल प्लाजा पर खड़ा है। मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ट्रांसपोर्ट कंपनी और

मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के सहयोग से एक सप्ताह में एप्रोच मार्ग का निर्माण करके एक महान दो दिन बाद 145.5 टन के इस ट्रांसफॉर्म को सुरक्षित मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के गेट क्रमांक 7 पर बुधवार को पहुंचाने का काम किया गया है।

कम लागत में बनाया गया एप्रोच मार्ग : मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से 145.5 टन के इस ट्राले को दिलीप बिल्डकॉन कंपनी के माध्यम से तैयार किए गए पुल पर से जाने में आपत्ति दर्ज की गई थी इस वाहन के जाने से पलिया को नुकसान होने की संभावना बनी हुई थी जिसे देखते हुए मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी दर्शन रोड लाइंस कंपनी और मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 6 दिन में सड़क का निर्माण करने के बाद एक माह 2 दिन के उपरांत बुधवार को 10 बजे इस वाहन को टोल प्लाजा से निकल गया और लगभग 12 किलोमीटर का सफर एक माह 2 दिन के बाद पूरा हुआ है जिस पर मध्यप्रदेश डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड,दर्शन रोड लाइंस,दिलीप बिल्डकॉन और मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों ने राहत की साथ लेने का काम किया है।

सोशल मीडिया पर जमकर टोल हुआ यह ट्रांसफॉर्मः बुधवार को जब 10 बजे के लगभग 15 करोड़ के ट्रांसफॉर्म जिसका वजन 145.5 टन है जब यह गाड़ी सारनी के लिए रवाना हुई तो उपस्थित लोगों ने सोशल मीडिया पर इसे जमकर टोल करने का काम किया है लंबे समय के बाद इतने भारी भरकम और बड़े चाके के वाहन को देखने का काम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के माध्यम से किया गया है जिसकी वजह से यह ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए कोतहाल का विषय बना हुआ रहा कोई इसे फेसबुक पर सीधा प्रसारण कर रहा था कोई वीडियो बना रहा था तो कोई इसकी फोटो खींचने में अपने आप को व्यस्त दिखाई दे रहा था।

इनका कहना है : एमपीआरडीसी से इस वाहन को निकालने की अनुमति नहीं थी इस वजह से यह गाड़ी एक महा दो दिन तक खड़ी रही दिलीप बिल्डकॉन कंपनी ने पुलिया को नुकसान होने की संभावना व्यक्ति की गई थी इस वजह से अप्रोच मार्ग का निर्माण कराकर 31 दिसंबर को इस वाहन को सुरक्षित निकालने का काम किया है और जो भी कार्य हुआ है वह अनुबंध के अनुरूप किया गया है।

राजकुमार नागले , मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड सहायक महाप्रबंधक

मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से अनुमति मिलने के बाद दिलीप बिल्डकॉन कंपनी के इंजीनियरों की उपस्थिति में दर्शन लाइन के कर्मचारी अधिकारी एवं मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति में बुधवार को 15 टन के ट्राले को टोल प्लाजा से रवाना कर दिया गया है। अनुमति मिलने के बाद ही यह सारी प्रक्रिया पूरी की गई है।

-अनुज भारद्वाज दिलीप बिल्डकॉन कंपनी टोल प्लाजा प्रभारी पांढरा

पावर जनरेटिंग कंपनी के लिए चुनौती से भरा रहा 2025

चार बड़ी इकाईया बिकी कबाड़े के भाव, घोटालों के आरोपों से भरा रहा पूरा साल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के लिए बिता साल चुनौती पूर्ण रहा है।करीबन 40 सालों तक बिजली का उत्पादन में कीर्तिमान बनाने वाली चार बड़ी इकाइयों को कबाड़े के भाव में बेच दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि सतपुड़ा पावर प्लांट की लंबे समय से बंद पड़ी चार बड़ी इकाइयों को नीलामी मात्र 342 करोड़ में हुई है। इकाइयों की नीलामी की कीमत बेहद कम होने को ऊर्जा मंत्री एवं पावर जनरेटिंग कंपनी के एमडी सवालों के घेरे में हैं। सूत्रों ने कहा कि 1984 में बिजली उत्पादन करने वाली इकाईयों को लंबे समय तक बंद रखने के बाद बेच दिया है। पावर प्लांट की 200 मेगावाट क्षमता वाली छह नंबर एवं 210 मेगावाट क्षमता वाली 7,8,9 ईकाई की अनुमानित कीमत एक हजार करोड़ के आसपास आंकी गई थी। पावर जनरेटिंग कंपनी ने चार बड़ी इकाइयों को मात्र 342 करोड़ में कलकत्ता

की कंपनी को बेच दिया है। पावर हाउस क्रमांक एक की 62,5 मेगावाट क्षमता वाली पांच इकाईयों को 74 करोड़ रुपयों मे बेचा गया था,पावर प्लांट की पुरानी 9 ईकाईयो की उच्च स्तरीय जांच कराई जाये तो बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के एच आर विभाग समेत मंत्रालय के कई लोग इसके घेरे में आ सकते हैं।

संधारण के बाद बार-बार इकाई का बंद होना कई सवाल खड़े कर रहा है

बंद हुई 11 नंबर इकाई, उत्पादन 200 पर सिमटा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की 250 मेगावाट क्षमता वाली 11 नंबर इकाई के बायलर ट्यूब में लीकेज के चलते बुधवार को इकाई बंद हो गई है। बड़ी इकाई के बंद होने से मध्य प्रदेश थर्मल पावर स्टेशन के 500 मेगावाट क्षमता वाले प्लांट से बिजली का उत्पादन 200 मेगावाट के आसपास सिमट गया है। मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी के सतपुड़ा थर्मल पॉवर प्लांट की 11 नंबर इकाई बार-बार तकनीकी कारणों से लगातार बंद हो रही है। जिसका सीधा असर बिजली उत्पादन और पॉवर प्लांट की परफारमेंस पर पड़ रहा है। इकाई का संधारण कार्य सितंबर माह मे हुआ है। ऐसे में तकनीकी कारणों से बार-बार बिजली इकाई का बंद होना संधारण कार्य पर सवाल खड़े कर रहे हैं। 250 मेगावाट क्षमता की 11 नंबर इकाई इसी माह में 20

दिसंबर को वॉटर वाल्व ट्यूब में लीकेज की वजह से बंद हुई। सुधार कार्य के बाद यह इकाई 25 दिसंबर को लाइटअप हुई। लोड पर आने के बाद 11 नंबर इकाई 5 दिन भी पूरी तरह नहीं चली और 30 दिसंबर को पुनः बॉयलर ट्यूब में लीकेज की वजह से बंद हो गई। इसके चलते सतपुड़ा का बिजली उत्पादन लगातार प्रभावित हो रहा है।

सरस्वती विद्या मंदिर सारणी में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम संपन्न, एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार देना यह वर्तमान समाज की आवश्यकता बनता दिखाई दे रहा है यह बात सरस्वती विद्या मंदिर सारणी के वार्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे श्याम सुंदर ओझा ने व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पश्चिमी सभ्यता हमारे शिक्षा समाज और संस्कृति को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं ऐसे में अभिभावकों को स्कूल का चयन करना और अपने बच्चों को बेहतर संस्कार देना एक बड़ी चुनौती बनती दिखाई दे रही है और इस चुनौती को बड़ी खूबसूरती के साथ चेतावनी के रूप में ग्रहण करके विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने का काम अगर कोई कर रहा है तो वह सरस्वती विद्या मंदिर सारनी है।श्री ओझा ने कहां की सरस्वती विद्या मंदिर में दिए जाने वाले संस्कारों एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले युवा पीढ़ी तैयार करने के लिए लगे हुए आचार्य का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया ।

एवं अभिभावकों को प्रेरित किया कि आपने एक आदर्श विद्यालय का चयन करके अपने बच्चों का जीवन जीवन सवार रहे है आगे भी बच्चों को संस्कार और नैतिकता की शिक्षा के लिए विद्यालय को बढ़ावा देने की और विद्यालय के प्राचार्य के प्रयासों की उत्कृष्ट भूरी भूरी प्रशंसा की है।सरस्वती विद्या मंदिर सारनी में सांस्कृतिक कला पर्व के अंतर्गत नव क्षितिज वार्षिक उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि श्याम सुंदर ओझा संस्थापक सदस्य,सुनील शर्मा पूर्व आचार्य,बृजमोहन सहगल जिला कुटुंब प्रबोधन प्रमुख,अंबादास सुने,पी जे शर्मा समिति सदस्य की उपस्थिति में कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। इस

अवसर पर अतिथि परिचय विद्यालय के प्राचार्य चंद्रशेखर टैगोर ने कराया एवं विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया 163 भैया बहनों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागीता कि गीत गायन नृत्यएवं मनोहर नृत्य नाटिका से दर्शकों का मन मोह लिया मातृशक्ति की संख्या अधिक मात्रा में उपस्थित थी।जिन्होंने बच्चों का उत्साह वर्धन किया।विद्यालय के आचार्य परिवार द्वारा प्रत्येक कक्षा से दो कार्यक्रम की प्रस्तुतियां रही

सुश्री सरिता तिवारी दीदी ने कार्यक्रम का संयोजन किया एवं सहयोग आकाश सोलंकी ने कार्यक्रम की तैयारी कराई। कार्यक्रम का संचालन भैया बहनों द्वारा किया गया अंग्रेजी एवं हिंदी में बहनों ने कार्यक्रम का संचालन किया जिससे अभिभावकों में बच्चों के प्रति और विद्यालय के संस्कारों के प्रति उत्कृष्ट भाव जागृत हुई संचालन में सहयोग प्रिया सहारे दीदी,सुश्री शिखा टैगोर ने बच्चों की तैयारी कराई । शिशु विभाग में उत्कृष्ट तैयारी की कार्यक्रम की बृज मोहन सहगल ने की अपने अध्यक्ष की भाषण में बच्चों को शुभ आशीर्वाद दिया अंत में आभार प्रदर्शन सुश्री सरिता तिवारी दीदी द्वारा किया गया। वंदेमातरम गीत गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सहायक आयुक्त के कथित दुर्व्यवहार से आहत महिला कर्मचारी ने किया आत्मदाह का प्रयास

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास बैतूल में पदस्थ अंशकालीन महिला कर्मचारी चम्पा वट्टी ने बुधवार 31 दिसंबर को सहायक आयुक्त के कथित दुर्व्यवहार से आहत होकर आत्मदाह का प्रयास किया। महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न शासकीय छात्रावासों में कार्यरत समस्त अंशकालीन कर्मचारियों को सहायक आयुक्त विवेक पांडे द्वारा तत्काल हटाने के निर्देश जारी किए गए थे। इन निर्देशों के बाद वर्षों से कार्यरत अंशकालीन कर्मचारी रोजगार छिनने की आशंका को लेकर परेशान थे। इसी विषय को लेकर सभी अंशकालीन कर्मचारी सहायक आयुक्त विवेक पांडे को ज्ञापन देने पहुंचे थे।

कर्मचारियों की मांग थी कि वर्षों से कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों को यथावत रखा जाए, क्योंकि उनके परिवार का भरण-पोषण इसी नौकरी पर निर्भर है। अंशकालीन महिला कर्मचारियों का आरोप है कि ज्ञापन देने के दौरान सहायक आयुक्त विवेक पांडे ने गुस्से भरे लहजे में अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और कथित रूप से जाओ मरो जैसे शब्द कहे। कर्मचारियों के अनुसार यह बात चम्पा वट्टी सहन नहीं कर पाईं। बताया गया कि कथित बयान से आहत होकर चम्पा वट्टी ने मौके पर ही अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने तुरंत पानी डालकर स्थिति को संभाला और महिला को जिला अस्पताल बैतूल पहुंचाया गया। महिला कर्मचारियों ने बताया कि वे पिछले करीब 20 वर्षों से छात्रावासो में सेवाएं दे रही हैं। अचानक बिना सूचना हटाए जाने से उनके सामने रोजगार और परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। इस उम्र में अन्य कार्य मिलना भी मुश्किल है।

312.5 मेगावाट के स्थान पर 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई की स्वीकृति

उम्मीदों भरा रहेगा वर्ष 2026 सारणी में पुराने 830 मेगावाट के स्थान पर 660 मेगावाट की इकाई होगी स्थापित

प्रमोद गुप्ता। सारनी

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी सारनी के लिए वर्ष 2026 उम्मीद और नई उमंग से भरा होगा 2012 से लेकर 2025 तक लगभग 13 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद 312.5 मेगावाट की 62.5 मेगावाट की छोटी इकाई के डिस्मेंटल के बाद उसे स्थान पर 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई 11 हजार 678 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित होने की तैयारी पूरी कर ली गई है। 40 वर्ष से अधिक पुरानी चार बड़ी इकाई जो 830 मेगावाट की है उसे डिस्मेंटल करके उसके स्थान पर 660 मेगावाट या फिर 800 मेगावाट की एक इकाई स्थापित करने के लिए प्रशासनिक फाइलों का दौड़ना शुरू हो गया है ऐसे में उम्मीद की किरण एक बार और दिखाई देने लगी है कि 11 हजार 678 करोड रुपए की नई इकाई के सौगात मिलने के बाद 830 मेगावाट के स्थान पर 660 या फिर 800 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई स्थापित होगी जिससे विद्युत नगरी सारनी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार के संसाधन उपलब्ध होंगे।

डॉ योगेश पंडाग्रे का 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई में महत्वपूर्ण योगदान : जनप्रतिनिधियों का काम होता है कि उनके विधानसभा क्षेत्र में रोजगार के संसाधन उपलब्ध कारण आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे का दूसरा कार्यकाल तारीफ काबिल रहा नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धि दिलाने के अलावा 660 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल इकाई के स्थापना को लेकर मंत्रालय तक लगातार दौड़ लगाकर उसे धरातल स्थल पर लाने में उन्हें सफलता मिली है प्रशासनिक महक में के लोग भी आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक की तारीफ उनके पीठ पीछे करते नहीं थकते हैं। हालांकि जनप्रतिनिधि को इसी तरह का होना चाहिए जैसे ही प्रशासनिक महक में यह बात दौड़ चली की 830 मेगावाट की चार बड़ी इकाई के डिस्मेंटल करने के बाद उसे स्थान पर 660 मेगावाट या फिर 800 मेगावाट की एक बड़ी इकाई स्थापित होगी जो 15 हजार करोड रुपए से अधिक की होगी ऐसे में जनप्रतिनिधि को इस बड़ी इकाई को स्थापित करने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण किया जाना चाहिए जिससे क्षेत्र में रोजगार के संसाधन उपलब्ध होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949